▪ श्रावण शुक्ल - 8 ▪ संवत 2081 ▪ वर्ष - 12 ▪ अंक - 21 ▪ पृष्ठ - 8 ▪ रु. 5/- चेन्नई » सोमवार » 12-08-2024 ▪ www.dakshinbharat.com ▪ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 अन्य अंतरराष्ट्रीय सितारों के साथ भारत में प्रतिस्पर्धा करना मेरा सपना: नीरज चोपड़ा

6 वक्फ बोर्ड की आड़ में जमीन कजाने वालों पर शिकंजा कसने की तैयारी

7 'कौन बनेगा करोड़पति' सपनों और आकांक्षाओं की एक साझा यात्रा : अमिताभ बच्चन

फर्स्ट टेक

नीट-पीजी 2024 प्रवेश परीक्षा 170 शहरों में दो पालियों में आयोजित की गई

नई दिल्ली/भाषा। आयुर्विज्ञान में राष्ट्रीय परीक्षा बोर्ड द्वारा रविवार को 170 शहरों में 416 केंद्रों पर राष्ट्रीय पात्रता-सह-प्रवेश परीक्षा-स्नातकोत्तर (नीट-पीजी) 2024 सफलतापूर्वक आयोजित की गई। नीट-पीजी एक मेडिकल प्रवेश परीक्षा है। यह 23 जून को आयोजित होने वाली थी, लेकिन कुछ प्रतियोगी परीक्षाओं की शुचिता को लेकर आरोपों के मद्देनजर इसे एहतियाती उपाय के रूप में स्थगित कर दिया गया था। स्वास्थ्य मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि परीक्षा एक ही दिन दो पालियों में आयोजित की गई ताकि परीक्षा के लिए सर्वोत्तम और प्रतिष्ठित केंद्रों का चयन किया जा सके।

पाकिस्तानी भाला फेंक खिलाड़ी नदीम को भैंस उपहार में मिलेगी

कराची/भाषा। पाकिस्तान भले ही अपने भाला फेंक ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता अरशद नदीम को नकद पुरस्कारों और अन्य बहुमूल्य पुरस्कारों से नवाज रहा हो, लेकिन उनके ससुर ने ग्रामीण परवरिश और परंपरा के साथ मेल खाते हुए उन्हें भैंस उपहार में देने का फैसला किया है। मोहम्मद नवाज ने रविवार को नदीम के गांव में स्थानीय मीडिया को बताया कि उनके गांव में भैंस उपहार में देना 'बहुत मूल्यवान' और 'सम्मानजनक' माना जाता है। नदीम ने पेरिस में भाला फेंक स्पर्धा में 92.97 मीटर के ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक जीता जिसमें भारत के नीरज चोपड़ा दूसरे स्थान पर रहे। नवाज ने कहा, ''नदीम को अपनी जड़ों पर बहुत गर्व है और सफलता के बावजूद, उनका घर अब भी उनका गांव है और वह अब भी अपने माता-पिता और भाइयों के साथ रहते हैं।''

गाजा में इजराइल ने और इलाके खाली करने का आदेश दिया

दीर अल-बलाह/एपी। इजराइल की सेना ने शरणार्थी शिविर में तब्दील एक स्कूल पर घातक हमले में कम से कम 80 फलस्तीनियों की मौत के बाद रविवार तड़के दक्षिण गाजा में और इलाके खाली करने का आदेश दिया है। स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों ने यह जानकारी दी। इजराइल ने कहा है कि उसने चरमपंथियों की एक कमान चौकी को निशाना बनाकर हमला किया है, जिसमें 19 लड़ाकों की मौत हुई है। इजराइल के सैनिक बुरी तरह तबाह हुए उन इलाकों की ओर लौट रहे हैं जहां उन्होंने पहले फलस्तीनी चरमपंथियों से लड़ाई लड़ी थी। ऐसे में वह कई बार और इलाकों को खाली करने का निर्देश दे चुका है। गाजा की 23 लाख की आबादी में अधिकतर लोग 10 महीने से जारी युद्ध के दौरान कई बार विस्थापित हो चुके हैं।

सूर्यास्त 12-08-2024 6:31 बजे	सूर्योदय 13-08-2024 5:56 बजे
BSE 79,705.91 (+819.69)	NSE 24,367.50 (+250.50)
सोना 7,224 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	चांदी 88,000 रु. प्रति किलो

भारत के लिए हिंद महासागर क्षेत्र में प्रमुख साझेदार है मालदीव : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

माले/भाषा। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने रविवार को कहा कि मालदीव हिंद महासागर क्षेत्र में भारत का एक प्रमुख साझेदार है तथा दोनों देश अपने सहयोग को आधुनिक साझेदारी में बदलने की आकांक्षा रखते हैं।

जयशंकर ने अड्डू पुनर्ग्रहण और तट संरक्षण परियोजना का हस्तांतरण समारोह और एक्जिम बैंक की ऋण सहायता के तहत भारत सरकार की मदद से बनाई गई 4-लेन डेटोर लिंक सड़क परियोजना के उद्घाटन के अवसर पर यह बात कही। इस अवसर पर मालदीव के विदेश मंत्री मूसा जमीर भी मौजूद थे। जयशंकर ने कहा, ''मालदीव हमारे लिए हिंद महासागर क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण साझेदार है। यह 'पड़ोसी प्रथम' की हमारी नीति के केंद्र में है। और इसलिए यह बहुत ही स्वाभाविक है कि हमारे दोनों देशों के बीच सहयोग पारंपरिक भूमिका से आगे बढ़ गया है तथा आज वास्तव में एक आधुनिक साझेदारी बनने की आकांक्षा है।''

उन्होंने कहा, ''विकास के क्षेत्र में हमारे सहयोग का उद्देश्य लोगों के जीवन के सभी पहलुओं को छूना और उनके जीवन में इसके ठोस लाभ लाने के तरीके खोजना है।''

जयशंकर ने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में भारत ने मालदीव में लगभग 22 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया है, जो इस बात का स्पष्ट संकेत है कि भारत मालदीव में क्षेत्रीय विकास को कितना महत्व देता है।

विदेश मंत्री ने कहा, ''आज हम अन्य देशों के अलावा सबसे बड़े व्यापारिक साझेदारों में से एक हैं। हम भारत से मालदीव में अधिक निवेश प्रवाह भी देख रहे हैं, खासकर पर्यटन क्षेत्र में।'' उन्होंने कहा कि भारत ने मालदीव सरकार के साथ अड्डू पुनर्ग्रहण और तट संरक्षण परियोजना में साझेदारी की है, ताकि इसे एक क्षेत्रीय केंद्र के रूप में विकसित करने का एक स्थायी तरीका ढूंढ़ा जा सके।

तुंगभद्रा बांध का द्वार टूटा

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एपीएसडीएमए) ने तुंगभद्रा बांध का द्वार बह जाने के बाद कृष्णा नदी के किनारे रह रहे लोगों को रविवार को सतर्क रहने की सलाह जारी की। एपीएसडीएमए के प्रबंध निदेशक आर कुर्मानाध ने बताया कि चेन की एक कड़ी टूटने के कारण द्वार संख्या 19 पानी के बहाव में बह गया। खबरों के अनुसार, यह हादसा होसपेट में शनिवार रात को हुआ। कुर्मानाध ने एक समाचार विज्ञप्ति में कहा, ''बाढ़ का लगभग 35,000 क्यूसेक पानी बह गया और कुल 48,000 क्यूसेक पानी नीचे की ओर छोड़ा जाएगा। कुरनूल जिले के कोसिरी, मंत्रालयम, नंदावरम और कौथलम के लोगों को सतर्क रहने की जरूरत है।'' प्रबंध निदेशक ने कृष्णा नदी के तटों के पास रह रहे लोगों को नदी को पार न करने की सलाह भी दी।

प्रशिक्षण विमान दुर्घटनाग्रस्त, दो पायलट हुए घायल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

गुना (मप्र)/भाषा। मध्य प्रदेश के गुना जिले में रविवार को एक हवाई पट्टी पर एक निजी उड्डयन अकादमी का एक प्रशिक्षण विमान दुर्घटनाग्रस्त होने से दो पायलट घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। गुना कैंट थाने के प्रभारी दिलीप राजोरिया ने बताया कि दो सीट वाला सेसना 152 विमान अपराह्न करीब डेढ़ बजे दुर्घटनाग्रस्त हो गया। उन्होंने बताया कि ऐसी आशंका है कि विमान इंजन में खराबी के कारण दुर्घटनाग्रस्त हो गया और दुर्घटना से पहले उसने करीब 40 मिनट तक उड़ान भरी थी। उन्होंने बताया कि विमान में सवार दो पायलट को चोट आयी हैं, लेकिन वे खतरे से बाहर हैं। उन्होंने कहा कि दोनों पायलट को यहां एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

हिंडनबर्ग आरोप पर कांग्रेस ने कहा:

जेपीसी जरूरी, शीर्ष अदालत से 'घोटाले' का संज्ञान लेने की अपील

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की प्रमुख माधवी बुच पर लगाए गए आरोपों की पृष्ठभूमि में कांग्रेस ने रविवार को कहा कि सरकार को अदाणी समूह की विनियामक द्वारा की गई जांच में हितों के सभी टकराव को तत्काल दूर करना चाहिए। इसने मामले की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच कराने की अपनी मांग भी दोहराई। पार्टी ने यह भी कहा कि उच्चतम न्यायालय को ''पूरे घोटाले'' का स्वत: संज्ञान लेना चाहिए तथा अपने अधीन जांच करनी चाहिए क्योंकि यहां जांच एजेंसी सेबी पर ही इसमें शामिल होने का आरोप है। कांग्रेस ने यह भी कहा कि ऐसे ''गंभीर आरोपों'' की पृष्ठभूमि में बुच अपने पद पर नहीं रह सकती हैं।

एक बयान में कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने शनिवार को कहा था कि सेबी की ''अदाणी महाघोटाले की जांच करने में अनिच्छा'' लंबे समय से सबके सामने है तथा उच्चतम न्यायालय की विशेषज्ञ समिति ने विशेष रूप से इसका संज्ञान लिया था। उनका यह बयान रविवार को 'एक्स' पर पोस्ट किया गया।

कृषि उपज बढ़ाने के लिए जलवायु अनुकूल बीजों की 109 किस्में प्रधानमंत्री ने जारी कीं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने रविवार को कृषि और बागवानी फसलों की उच्च उपज वाली, जलवायु अनुकूल और जैव-सुदृढ़ीकृत बीजों की 109 किस्मों को जारी किया। इस पहल का उद्देश्य कृषि उत्पादकता और किसानों की आय को बढ़ाना है।

इन किस्मों को भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) ने विकसित किया है और ये कुल 61 फसलों से संबंधित हैं। इनमें 34 खेतों में लगाई जाने वाली और 27 बागवानी की फसलें हैं।

मोदी ने दिल्ली के पूसा परिसर में तीन प्रायोगिक कृषि भूखंडों पर बीजों को पेश किया। इस मौके पर प्रधानमंत्री ने किसानों और वैज्ञानिकों के साथ बातचीत भी की।

एक आधिकारिक बयान के अनुसार, मोदी ने किसानों के साथ इन नई किस्मों के महत्व पर चर्चा करते हुए कृषि में मूल्य संवर्धन के महत्व पर जोर दिया।

इस अवसर पर मौजूद किसानों ने कहा कि 61 फसलों से संबंधित ये नई किस्में कम लागत के कारण उनके लिए अत्यधिक लाभकारी होंगी।

प्रधानमंत्री ने बाजरे के महत्व पर चर्चा की और इस बात पर जोर दिया कि लोग किस तरह पौष्टिक भोजन का रुख कर रहे हैं। उन्होंने प्राकृतिक खेती के लाभों और जैविक खेती के प्रति आम लोगों की बढ़ती रुचि के बारे में भी बात की।

मोदी ने कहा कि लोगों ने जैविक खाद्य पदार्थों का उपभोग और मांग करना शुरू कर दिया है।

बयान के मुताबिक, किसानों ने प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने में सरकार के प्रयासों और कृषि विज्ञान केंद्रों (केवीके) की भूमिका की भी सराहना की।

भारत में घुसपैठ करते 11 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा और मेघालय में अंतरराष्ट्रीय सीमा के रास्ते भारत में घुसपैठ करने का प्रयास करते समय 11 बांग्लादेशी नागरिकों को हिरासत में लिया गया है। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) ने रविवार को यह जानकारी दी।

एक प्रवक्ता ने कहा कि उनसे पूछताछ की जा रही है और विस्तृत कानूनी कार्रवाई के लिए उन्हें राज्य की पुलिस को सौंपा जाएगा। उन्होंने कहा कि बीएसएफ आपसी मुद्दों, विशेषकर भारतीय नागरिकों और बांग्लादेश में अल्पसंख्यक समुदायों के लोगों पर अत्याचार की रोकथाम के लिए अपने समकक्ष बीजीबी के साथ नियमित संपर्क में है।

बीएसएफ के कोलकाता मुख्यालय वाले दक्षिण बंगाल फ्रंटियर ने एक बयान में कहा कि उसकी पूर्वी कमान के प्रमुख, अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी) रवि गांधी ने शनिवार को एक सम्मेलन की अध्यक्षता की, जिसमें बांग्लादेश में मौजूदा अशांति के बीच और 15 अगस्त को आगामी स्वतंत्रता दिवस के मद्देनजर 4,096 किलोमीटर लंबी भारत-बांग्लादेश सीमा पर सुरक्षा की समीक्षा की गई।

बीएसएफ ने कहा, भारत में घुसपैठ करते समय 11 बांग्लादेशी नागरिकों को सीमा पर हिरासत में लिया गया है। पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा सीमा से दो-दो, जबकि मेघालय सीमा से सात को पकड़ा गया। उन्होंने बताया कि उनसे पूछताछ की जा रही है

नवी मुंबई में बांग्लादेश के पांच नागरिक गिरफ्तार

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के नवी मुंबई इलाके में अवैध रूप से रहने के आरोप में बांग्लादेश के पांच नागरिकों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। नवी मुंबई पुलिस के मानव तस्करी निरोध प्रकोष्ठ ने एक गुप्त सूचना के आधार पर शनिवार को कोपरखैरणे क्षेत्र में स्थित एक आवासीय परिसर में छापा मारा और चार महिलाओं व एक पुरुष को गिरफ्तार किया। कोपरखैरणे पुलिस थाने के एक अधिकारी ने बताया कि पूछताछ के दौरान पता चला कि पांचों जाली दस्तावेजों के आधार पर भारत में दाखिल हुए थे। उन्होंने बताया कि चारों महिलाओं की उम्र 34 से 45 वर्ष के बीच है।

'सुरक्षा स्थिति को अस्थिर करने के लिए आतंकवादियों को भेज रहा पाकिस्तान'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जम्मू/भाषा। जम्मू-कश्मीर के उपराज्यपाल मनोज सिन्हा ने रविवार को कहा कि पाकिस्तान केंद्र शासित प्रदेश की सुरक्षा स्थिति को अस्थिर करने के लिए विदेशी आतंकवादियों को भेज रहा है। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देश के नापाक मंसूबों को नाकाम करने के लिए रणनीति बनाई गई है तथा सुरक्षाबलों की नए सिरे से तैनाती की जा रही है। सिन्हा ने 'पीटीआई-भाषा' के साथ एक विशेष साक्षात्कार में कहा कि ''अगले तीन महीनों में स्थिति में बड़ा बदलाव आएगा।''

जम्मू क्षेत्र में स्थिति पहले शांतिपूर्ण थी लेकिन हालिया समय में खासकर सीमावर्ती जिलों में आतंकी घटनाओं में वृद्धि देखी गई है। पिछले कुछ महीनों के दौरान भारतीय वायुसेना के काफिले, तीर्थयात्रियों की बस पर हमले और कठुआ में जवानों पर हमले ने उभरते खतरे को उजागर किया है।

शनिवार को दक्षिण कश्मीर के अनंतनाग में आतंकवादियों और सुरक्षाबलों के बीच मुठभेड़ के दौरान दो जवानों और एक आम नागरिक की मौत हो गई। जम्मू क्षेत्र में आतंकी घटनाओं की ओर इशारा करते हुए

> ■ पाकिस्तान आतंकवाद का जन्मस्थान है। वहीं से यह पनपता है।

सिन्हा ने कहा, ''ये घटनाएं दुखद हैं। हम इन्हें स्वीकार करते हैं और जम्मू-कश्मीर तथा देश के लोगों को आश्वस्त करना चाहते हैं कि इन घटनाओं पर निश्चित रूप से काबू पाया जाएगा। पड़ोसी देश अपने नापाक मंसूबों में कामयाब नहीं होगा।'' उन्होंने कहा, ''पाकिस्तान आतंकवाद का जन्मस्थान है। वहीं से यह पनपता है। भारत और जम्मू-कश्मीर प्रशासन इसका मुकाबला करने के लिए ठोस प्रयास कर रहे हैं, कई अन्य देश भी इन प्रयासों में योगदान दे रहे हैं।''

स्वचालित ट्रैक उपकरण से मिली चेतावनी से रेल दुर्घटना टली

नई दिल्ली/भाषा। उत्तर प्रदेश के मिर्जापुर में एक स्वचालित ट्रैक उपकरण से मिली चेतावनी के कारण एक रेल दुर्घटना टल गई। दरअसल सीमांचल एक्सप्रेस का एक डिब्बा जब ताप का पता लगाने वाले उपकरण के ऊपर से गुजरा तो उसने अधिकारियों को तकनीकि खामी के बारे में चेतावनी दे दी। रेलवे अधिकारियों ने बताया कि चुनार स्टेशन पर लगे 'हॉट एक्सल बॉक्स डिटेक्टर' से चेतावनी भेजी गई। उत्तर मध्य रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी शशिकांत त्रिपाठी ने बताया, ''जब ट्रेन (बिहार के जोगबनी से दिल्ली जा रही) शनिवार सुबह करीब 10 बजे स्टेशन पार कर रही थी तो स्लीपर कोच संख्या एस-3 के पहिये के एक्सल में बहुत अधिक तापमान पाया गया।''

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

यक्ष-प्रश्न

हो सभी क्षेत्रों में फिर से,
समुचित आरक्षण प्रावधान।
सामान्य और आरक्षित में,
चयनों में प्रतिशत हो समान।
योग्यता अगर कम है तो फिर,
न्यायोचित कारण दे विधान।
अब छूत-अछूत नहीं मसला,
इस पर बौद्धिक दें समाधान।।

रूस के कुर्स्क क्षेत्र में 24 घंटों में यूक्रेन के 230 सैनिक मारे गए

रूसी सेना ने यूक्रेनी सैनिकों को कुर्स्क क्षेत्र के बेलोव्स्की जिले में घुसने से रोक दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मॉस्को/वार्ता/स्पूतनिक। पश्चिमी रूसी क्षेत्र कुर्स्क पर आक्रमण के प्रयास में पिछले 24 घंटों के दौरान यूक्रेनी सशस्त्र बलों के 230 जवान मारे गये और उसके सात टैंकों सहित 38 बख्तरबंद वाहन नष्ट हो गये। रूसी रक्षा मंत्रालय ने रविवार को यह जानकारी दी।

मंत्रालय ने कहा, पिछले 24 घंटों में यूक्रेनी सशस्त्र बलों के 230 जवान मारे गये और उसके 38 बख्तरबंद वाहनों नष्ट हो गये, जिनमें सात टैंक, तीन स्ट्राइकर बख्तरबंद कर्मी वाहक, एक पैदल सेना से लड़ने वाले वाहन और 28 बख्तरबंद लड़ाकू वाहन शामिल हैं।

मंत्रालय का अनुमान है कि यूक्रेन के सात वाहन, चार फील्ड आर्टिलरी सिस्टम, एक बुक-एम1 एंटी-एयरक्राफ्ट मिसाइल सिस्टम, तीन लॉन्चर और पैट्रियट वायु रक्षा प्रणाली का एक एएन/एमपीक्यू-65 रडार स्टेशन भी नष्ट हो गया। रूसी सेना ने यूक्रेनी सैनिकों को कुर्स्क क्षेत्र के बेलोव्स्की जिले में घुसने से रोक दिया।

मंत्रालय ने कहा, सेना के उड्डयन ने ओज़ेरकी और इवानोव्स्की गांवों में दो टैंक, एक बख्तरबंद लड़ाकू वाहन, एक फील्ड आर्टिलरी बंदूक और दो गोला बारूद वाहनों को नष्ट कर दिया।

रूसी सेना ने कुर्स्क क्षेत्र में अन्दर तक घुसने के लिए बख्तरबंद वाहनों का उपयोग करने के यूक्रेनी मोबाइल समूहों के प्रयासों को विफल कर दिया।

मंत्रालय ने कहा, चार बख्तरबंद कार्मिकों को नष्ट कर दिया गया, जिनमें तीन अमेरिका निर्मित स्ट्राइकर एपीसी, सात बख्तरबंद लड़ाकू वाहन और दो वाहन शामिल हैं।

मंत्रालय ने कहा कि कुल मिलाकर, कुर्स्क क्षेत्र के खिलाफ आक्रामक हमले में यूक्रेन ने 1,350 सैनिक, 29 टैंक, 23 बख्तरबंद कार्मिक वाहक और सैन्य हार्डवेयर और तोपखाने प्रणालियों के अन्य टुकड़े खो दिए।

बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस भ्रष्टाचार मामले में बरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

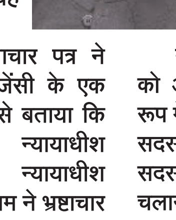

ढाका/भाषा। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस को भ्रष्टाचार निरोधक आयोग द्वारा दर्ज भ्रष्टाचार के एक मामले में रविवार को बरी कर दिया गया। यूनुस ने तीन दिन पहले ही पदभार ग्रहण किया है। मीडिया रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

डेली स्टार समाचार पत्र ने भ्रष्टाचार निरोधक एजेंसी के एक अधिकारी के हवाले से बताया कि ढाका के विशेष न्यायाधीश न्यायालय-4 के न्यायाधीश मोहम्मद रबीउल आलम ने भ्रष्टाचार निरोधक आयोग की उस याचिका को स्वीकार कर लिया जिसमें दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 494 के तहत मामले में अभियोजन वापस लेने की मांग की गई थी।

सात अगस्त को ढाका की एक अदालत ने श्रम कानून उल्लंघन के एक मामले में यूनुस और ग्रामीण टेलीकॉम के तीन शीर्ष अधिकारियों अशरफुल हसन, एम शाहजहां और नूरजहां बेगम को बरी कर दिया था।

यूनुस (84) ने बृहस्पतिवार को अंतरिम सरकार के प्रमुख के रूप में शपथ ली। नूरजहां बेगम 16 सदस्यीय सलाहकार परिषद की सदस्य हैं जो राज्य के मामलों को चलाने में यूनुस की सहायता करेंगी।

विहिप द्वारा स्वस्थ जांच शिविर का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हुब्बल्ली। स्थानीय विश्व हिन्दू परिषद व जगद्गुरु सदाशिवानन्द इंग्लिश मीडियम स्कूल के संयुक्त तत्वावधान में शिशु केयर सुपर चिल्ड्रन हॉस्पिटल के सहयोग से महानगर के उनकल प्रखंड में फ्री हेल्थ चेकअप कैंप का आयोजन किया गया जिसमें अनेक परिजनों ने अपने बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण करवाया।

शिविर में डॉ आलोक पाटिल ने परीक्षण कर आवश्यक मार्गदर्शन करते हुए दवाइयाँ प्रदान की। विहिप महानगर सेवा प्रमुख सुभाषचन्द्रा डंक ने बताया कि सेवा योजना के तहत स्वस्थ जांच शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविर में सत्संग प्रमुख अरुण प्रभु, अक्कीहोंडा प्रखंड पूर्व अध्यक्ष खेतसिंह राजपुरोहित, सह सेवा प्रमुख अविनाश बेंद्रे, रामचन्द्र हडगल, उमेश हेडली सहित अन्य विहिप के कार्यकर्ता उपस्तिथ थे ।

बच्चों को संस्कार देने में मां की सबसे बड़ी भूमिका : संतश्री राजेशमुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के शांतिनगर स्थित लुणावत स्थानक भवन में महिला दिवस पर आयोजित प्रवचन में राजेशमुनिजी ने कहा कि महिला वह है जिसमें धरती को भी हिलाने की शक्ति है। महिला में घर, परिवार, समाज और देश को चलाने की शक्ति है। महिला को नारी भी कहते हैं। नारी का अर्थ जिसका कोई शत्रु नहीं हो। नारी में एक नहीं बल्कि दो मात्रा है इसीलिए नारी नर पर भारी है। महिला एक मां के रूप में सबसे बड़ी शिक्षक होती है। बच्चों को संस्कार देने में मां की सबसे बड़ी भूमिका होती है। वह गर्भ से ही बच्चों को संस्कारित करना शुरु कर देती है। मुनि ने कहा कि लक्ष्मी समृद्धि एवं सरस्वती ज्ञान की प्रतीक हैं। लक्ष्मी वही ठहरती है जहां पर प्रमाणिकता, सच्चाई व ईमानदारी होती है। सहनशील बनो, तपस्या करो, इसी में सारे कष्ट दूर हो जाएंगे। जो काम सहने से होता है वह बोलने से नहीं होता। इस मौके पर ऋषभमुनिजी का भी सान्निध्य रहा। महिला दिवस पर महावीरचंद मुथा ने विचार व्यक्त किए। गौतम श्रीश्रीमाल ने गीत की प्रस्तुति दी। संघ मंत्री छगनमल लुणावत ने धर्मसभा का संचालन किया।

दीक्षा पत्रिका

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

बेंगलूरु के शांतिनगर स्थित आदिनाज जैन मंदिर में केसर समुदाय की साध्वीश्री भव्यप्रभाश्रीजी की निश्रा में शांतिनगर जैन संघ के तत्वावधान में 'मेरी दीक्षा की पत्रिका' धार्मिक कार्यक्रम का आयोजन किया जिसमें समाज के छोटे बच्चों ने अपने हाथों से पत्रिका तैयार की तथा रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

तेरापंथ ट्रस्ट गांधीनगर की साधारण सभा सम्पन्न

सुशील चोरड़िया बने नए अध्यक्ष, प्रकाश बाबेल के कार्यकाल की हुई सराहना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय जैन श्वेतांबर तेरापंथ ट्रस्ट गांधीनगर की साधारण सभा अध्यक्ष प्रकाश बाबेल की अध्यक्षता में आयोजित की गई। सर्वप्रथम साध्वीश्री उदितयशाजी द्वारा मंगल उद्बोधन दिया गया। साधारण सभा का शुभारंभ पूर्व ट्रस्ट अध्यक्ष बहादुर सेठिया द्वारा मंगलाचरण किया गया। प्रकाश बाबेल ने सभी पदाधिकारियों एवम ट्रस्टीगणों व सहयोगियों का स्वागत किया। कार्यकाल में बहादुर सेठिया व गौतम मुथा का विशेष सहयोग मिला। ट्रस्ट के मंत्री गौतम डोसी ने 2 साल के मंत्री प्रतिवेदन का वाचन किया। सोहन मांडोत ने भी ट्रस्ट को और मजबूत करने के लिए अपना पक्ष रखा। प्रकाश लोढा, रमेश दक, विमल पितलिया, अभयराज कोठारी, हस्तीमल हिरण द्वारा अपने विचार रखे गए। कोषाध्यक्ष बाबूलाल बाफना ने आय व्यय का ब्यौरा दिया। ऑडिटर शांतिलाल दक सहयोग रहा। सभी नए ट्रस्टियों का स्वागत किया गया।

उपस्थित सभी जनों ने प्रकाश बाबेल व उनकी टीम के दो वर्षो के कार्यकाल की प्रशंसा की। चुनाव अधिकारी ललित मांडोत ने सुशील चोरड़िया को निर्विरोध वर्ष 2024-26 के लिए अध्यक्ष के रूप में मनोनीत किया। सभी ने चोरड़िया को शुभकामनाएं दी। ट्रस्ट के मूलचंद नाहर, सुरपत चोरडिया, विमल सामशुखा, एमसी बलदोटा, प्रदीप हीरावत, मनीष छाजेड़, सभा अध्यक्ष पारसमलजी भंसाली,नवरतन गादिया, प्रवीण मेहता आदि उपस्थित थे। उपाध्यक्ष अभय कोठारी ने धन्यवाद दिया।

अनेक समस्याओं का समाधान है भक्तामर स्तोत्र : साध्वीश्री सिद्धप्रभा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ विजयनगर भवन में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वी श्री सिद्धप्रभाजी के सान्निध्य में भक्तामर विधान अनुष्ठान का आयोजन हुआ। अनुष्ठान में ॐ ऋषभाय नमः की ध्वनि से भवन जब गुंजायमान हुआ तो मानो सभी परमाणु पवित्र बन गए। साध्वीश्री सिद्धप्रभाजी ने जैनों द्वारा सर्वमान्य महाप्रभावकारी भक्तामर स्तोत्र का महत्व बताया। अनेक समस्याओं का समाधान है महाप्रभावी भक्तामर स्तोत्र।भक्तामर साधना एवं चिकित्सा तथा रचयिता आचार्य मानतुंग के इतिहास पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि प्रत्येक श्लोक एवं ऋद्धि मंत्र के साथ संपूर्ण भक्तामर स्त्रोत का तीन बार उच्चारण किया गया। अंत में दिन भर नकारात्मक भावों से बचकर अनुष्ठान में प्राप्त ऊर्जा का सकारात्मक उपयोग करने की प्रेरणा दी गई। कार्यक्रम में लगभग 400 श्रद्धालु उपस्थित थे। लोगों ने विधिवत एवं बहुत ही तन्लीनता के साथ अनुष्ठान किया।

सम्यक दर्शन से ही व्यक्ति के चरित्र का निर्माण होता है : साध्वीश्री सुधाकंवर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के विजयनगर स्थानक में चातुर्मासार्थ विराजित साध्वीश्री सुधाकंवर जी म.सा. ने आगमों का विवेचन करते हुए अट्ठारह पापस्तान में अंतिम पाप मिथ्या दर्शन के बारे में कहा कि सद्गुरु व सुदर्शन में आस्था रखने से व्यक्ति मिथ्या दर्शन के पाप से बच सकता है, सम्यक दर्शन से ही व्यक्ति के चरित्र का निर्माण होता है, जब तक भीतर की आँख नहीं खुलती, अर्थात् आत्मा को जागृत नहीं किया जाता, तब तक सम्यक को प्राप्त नहीं किया जा सकता है, अतः आत्मजागृति हेतु अपने दृष्टिकोण को बदलना चाहिए।

साध्वी सुयशाजी ने जीवन मे समस्याएं और समाधान के बारे में बताते हुए कहा कि कुछ समस्याएं बिना कुछ किए ही खड़ी हो जाती है और कुछ समस्याओं का समाधान थोड़ा प्रयत्न करने या कुछ इंतजार कर लेने से ही हो जाता है।

साध्वीश्री ने कहा कि जीवन में सुकून के लिए तीन बातों का होना अति आवश्यक है, पहला स्थिरता, दूसरा शांत व तीसरा गंभीरता, इनका आचरण में होना अति आवश्यक है। उदाहरण के माध्यम से बताया कि हमारी सांसारिक गतिविधियों में तो बहुत स्थिरता है, पर आध्यात्म में स्थिरता बिल्कुल नहीं है, जबकि जीवन मे आनंद के लिए दोनों का विपरित होना आवश्यक है। दूसरे शांत के बारे मे कहा कि हम चाहे प्रकृति की देय हो या अन्य के द्वारा निर्मित, हम धन्यवाद तो कम देते हैं पर शिकायतें बहुत अधिक करते हैं, तीसरा गंभीरता पर कहा कि सब में बुराइयाँ है तो अच्छाइयां भी होती है पर हम गंभीर न रहते हुए बुराईयों पर ही ज्यादा ध्यान देते हैं।

संघ के अध्यक्ष आनंदकुमार नाहर ने बाहर गांव से आए अतिथियों का स्वागत किया। मंत्री कन्हैयालाल सुराणा ने उपनगरों से पधारे हुए श्रद्धालुओं, सभी लाभार्थी परिवारों व तपस्वयियों का सम्मान किया।

महालक्ष्मी लेआउट मंदिर में महावीर स्वामी धार्मिक अनुष्ठान सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के महालक्ष्मीलेआउट स्थित चिंतामणि पार्श्वनाथ मन्दिर महालक्ष्मी के तत्वावधान में नरेश महेंद्रकुमार सुनीलकुमार के निवास पर परमात्मा श्री महावीर स्वामीजी के हालरड़ा की भव्य उजामणि हुई जिसमें मुख्य भगवान महावीर स्वामी के माता-पिता महेंद्रकुमार अनीता बंबोरी बने।

18 हालरडा गाथा के 18 माता पिता के रोल अदा करके परमात्मा के सामने भाव भक्ति प्रकट किये। सभी 18 माता पिता ने अपने घर से अनेकों सामग्री सहित विभिन्न थाल सजा कर लाए। संगीतकार उमेश भण्डारी एवं पंकज श्रीमाल परमात्मा की भक्ति भावना की प्रस्तुति दी। इस मौके पर संघ के अनेक सदस्य उपस्थित थे।

'नया हरियाणा' बनाने के लिए आप को वोट दें : सुनीता केजरीवाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हिसार (हरियाणा)/भाषा। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की पत्नी सुनीता केजरीवाल ने रविवार को हरियाणा की भाजपा सरकार पर पिछले 10 वर्षों में कोई विकास कार्य नहीं करने का आरोप लगाया और लोगों से 'नया हरियाणा' बनाने के लिए आगामी विधानसभा चुनाव में आम आदमी पार्टी को वोट देने की अपील की।

हरियाणा में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव प्रस्तावित हैं और आम आदमी पार्टी (आप) ने घोषणा की है कि वह राज्य की सभी 90 सीट पर चुनाव लड़ेगी। पार्टी ने हरियाणा में कई चुनाव लड़े हैं, लेकिन उसे अभी तक राज्य में चुनावी सफलता नहीं मिली है। सुनीता केजरीवाल ने यहां एक सभा को संबोधित करते हुए लोगों से चुनाव के दिन झाड़ू (आप का चुनाव चिह्न) वाला बटन दबाने को कहा, ताकि एक 'नया हरियाणा' बनाया जा सके। उन्होंने कहा कि दिल्ली में आप सरकार ने सरकारी स्कूलों और अस्पतालों की ''कायापलट'' करने के साथ ही बिजली मुफ्त कर दी है।

सुनीता ने पूछा, ''बीते 10 वर्षों में हरियाणा में भाजपा ने क्या विकास किया है?'' उन्होंने कहा कि हरियाणा के लोगों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि भाजपा आगामी चुनावों में एक भी सीट न जीत पाए। अरविंद केजरीवाल को 'हरियाणा का लाल' करार देते हुए उन्होंने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री हिसार में पले-बढ़े हैं। सुनीता केजरीवाल ने कहा, ''उनका जन्म 16 अगस्त 1968 को हुआ था और उस दिन कृष्ण जन्माष्टमी थी। यह महज संयोग नहीं हो सकता... मुझे लगता है कि भगवान आपके बेटे के जरिए कुछ बड़ा करवाना चाहते हैं।''

अदाणी के खिलाफ आरोपों की विधिवत जांच हुई, बुच ने जरूरत पर खुलासे किए, खुद को अलग किया: सेबी

मुंबई/भाषा। अमेरिका की शोध एवं निवेश कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च की नई रिपोर्ट आने के बाद पूंजी बाजार नियामक सेबी ने अपनी पहली टिप्पणी में रविवार को कहा कि उसने अदाणी समूह के खिलाफ सभी आरोपों की विधिवत जांच की है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने बयान में कहा कि उसकी चेयरपर्सन माधवी पुरी बुच ने समय-समय पर संबंधित जानकारी दी और संभावित हितों के टकराव से जुड़े मामलों से खुद को अलग रखा।

नियामक ने कहा कि उसने अदाणी के खिलाफ हिंडनबर्ग द्वारा लगाए गए आरोपों की विधिवत जांच की है। उसकी 26 जांचों में से अंतिम जांच अब पूरी होने वाली है।

इससे पहले, बुच और उनके पति धवल ने आरोपों को निराधार बताया था। दंपति ने कहा कि हिंडनबर्ग पूंजी बाजार नियामक की विश्वसनीयता पर हमला कर रही है और चेयरपर्सन के चरित्र हनन का भी प्रयास कर रही है।

भाजपा के शासनकाल में किसानों के आत्महत्या के मामले दोगुने हुए : पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सोलापुर/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार ने किसानों की आय दोगुनी करने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आश्वासन पर कटाक्ष करते हुए दावा किया कि भाजपा के शासनकाल में किसानों के आत्महत्या करने के मामले दोगुने हुए हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) के नेता पवार ने महाराष्ट्र के सोलापुर जिले के बार्शी कस्बे में एक रैली को संबोधित करते हुए दावा किया कि किसानों को उनकी उपज का पर्याप्त मूल्य नहीं मिल रहा है और वे कर्ज में डूब गए हैं।

उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा, ''प्रधानमंत्री ने किसानों की आय दोगुनी करने का वादा किया था, लेकिन इसके बजाय किसानों के आत्महत्या करने के मामले दोगुने हो गए हैं।'' राकांपा (शरदचंद्र पवार) प्रमुख ने कहा कि समय की मांग है कि राज्य में सरकार बदली जाए और ऐसी सरकार स्थापित की जाए जो किसानों, युवाओं और महिलाओं के हितों की रक्षा करे। पूर्व केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा, ''केंद्र और राज्य की भाजपा की सरकारों ने किसानों की मुश्किलें कम करने और युवाओं के लिए रोजगार के अवसर पैदा करने के लिए अपनी सत्ता का इस्तेमाल नहीं किया है। आप देखेंगे कि युवा रोजगार की कमी के कारण परेशान हैं। हमें सरकार बदलनी होगी। '' पवार ने कहा कि भाजपा अपने नारे '400 पार' के बावजूद लोकसभा चुनाव में 300 सीटें भी नहीं जीत सकी। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा, ''आंध्र प्रदेश और बिहार की पार्टियों की मदद से वह सरकार बना सकती है। समय की मांग है कि किसानों पर कर्ज का बोझ कम किया जाए, इसलिए कर्ज माफ किया जाना चाहिए।''

ओला मैप है तिकड़म, रातों-रात बनने वाले उत्पादों से सावधान रहना चाहिए: मैपमाईइंडिया सीईओ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। स्वदेशी डिजिटल नेविगेशन कंपनी मैपमाईइंडिया ने ओला की मूल कंपनी एएनआई टेक्नोलॉजीज के भारत का नेविगेशनल मानचित्र विकसित करने के दावे पर सवाल उठाया है और इस घोषणा को 'तिकड़म' बताया है।

ओला इलेक्ट्रिक को कानूनी नोटिस भेजने के बाद पीटीआई-भाषा से बातचीत करते हुए मैपमाईइंडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) और कार्यकारी निदेशक रोहन वर्मा ने ओला के इस दावे पर सवाल उठाया कि मानचित्र की आपूर्ति एक स्टार्टअप जियोस्पोक प्राइवेट लिमिटेड द्वारा की गई है। इस कंपनी का अधिग्रहण कर लिया गया और यह एएनआई टेक्नोलॉजीज की अनुषंगी कंपनी बन गई है। वर्मा ने जियोस्पोक प्राइवेट लिमिटेड द्वारा मानचित्र की आपूर्ति करने के दावे पर उसके वित्तीय रिकॉर्ड के आधार पर सवाल उठाया है क्योंकि भारत जैसे बड़े देश का डिजिटल नेविगेशन मानचित्र विकसित करने के लिए भारी निवेश और विशेषज्ञता की आवश्यकता होती है।

वर्मा ने ओला मैप्स की वजह से कंपनी के कारोबार पर किसी खतरे से इनकार किया है क्योंकि 'उसकी गुणवत्ता अच्छी नहीं है।' उन्होंने कहा, हमें कोई कारोबारी जोखिम नहीं दिखता, क्योंकि हमें वहां से कोई अच्छा उत्पाद नहीं मिलता। लोग उनके (ओला) अपडेटेड कैब ऐप, उनके अपडेटेड इलेक्ट्रिक वाहन ऐप के बारे में, उनके नक्शे खराब होने और उपयोगकर्ताओं को परेशानी पैदा करने के बारे में, हर जगह शिकायत कर रहे हैं। हर कोई जानता है कि ये कोरी घोषणा और तिकड़म है।

इस संबंध में पूछने पर ओला के प्रवक्ता ने कहा, ओला मैपमाइइंडिया द्वारा दिए गए निराधार और प्रेरित बयानों का दृढ़ता से खंडन करता है। यह कंपनी द्वारा अपने प्रतिद्वंद्वियों को बदनाम करके प्रासंगिक बने रहने के हताश प्रयासों का स्पष्ट संकेत है।

करदाताओं को धमकाने की जगह मार्गदर्शन का नजरिया अपनाएं आयकर अधिकारी: सीबीडीटी प्रमुख

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के चेयरमैन रवि अग्रवाल ने कहा है कि आयकर विभाग के अधिकारियों को करदाताओं के साथ व्यवहार करते समय 'डराने-धमकाने के बजाय सलाह देने' का नजरिया अपनाना चाहिए। उन्होंने कहा अधिकारियों को जिम्मेदार, उत्तरदायी, पारदर्शी दिखने के लिए नए सिरे से प्रयास करने चाहिए। अग्रवाल ने सुझाव दिया कि भारत में आयकर व्यवस्था के 164 वर्ष पूरे होने पर कर अधिकारियों को 'विवेकपूर्ण' दृष्टिकोण अपनाना चाहिए। सीबीडीटी प्रमुख ने 24 जुलाई को मनाए गए 165वें आयकर दिवस पर ऑनलाइन वीडियो संवाद सत्र 'द चेयरमैन स्पीक्स' के माध्यम से अपने सहकर्मियों से बात की। कर विभाग में 'बदलावकारी' परिवर्तन हुए हैं, प्रौद्योगिकी को अपनाया गया है, करदाताओं का आधार बढ़ाया गया है और इसका स्वरूप 'प्रवर्तन और विरोधात्मक' विभाग से बदलकर काफी हद तक एक सेवा विभाग बन गया है।

अपने फंड के जरिये अदाणी के शेयरों में कोई निवेश नहीं किया: 360 वन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। संपदा प्रबंधन कंपनी 360 वन ने हिंडनबर्ग रिसर्च की नई रिपोर्ट में किए गए दावों पर रविवार को कहा कि उसके पूर्ववर्ती आईपीई-प्लस फंड-1 ने अदाणी समूह के शेयरों में कोई निवेश नहीं किया था।

कंपनी 360 वन (पूर्व में आईआईएफएल वेल्थ मैनेजमेंट) ने एक बयान में कहा कि सेबी की चेयरपर्सन माधबी पुरी बुच और उनके पति धवल बुच का इस निवेश फंड में कुल प्रवाह का 1.5 प्रतिशत से भी कम निवेश था और किसी भी निवेशक की निवेश निर्णयों में कोई संलिप्तता नहीं थी। कंपनी ने कहा कि इस फंड ने नियामकीय नियमों का पूरी तरह पालन किया था। यह फंड अक्टूबर, 2013 से लेकर अक्टूबर, 2019 के बीच सक्रिय था। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा, फंड की पूरी अवधि के दौरान आईपीई-प्लस फंड-1 ने किसी भी फंड के जरिये प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से अदाणी समूह के किसी भी शेयर में शून्य निवेश किया है। फंड के लिए प्रबंधन के तहत अधिकतम परिसंपत्तियां लगभग 4.8 करोड़ डॉलर थीं और एयूएम का 90 प्रतिशत से अधिक लगातार बॉन्ड में निवेश किया गया था।

हिंडनबर्ग ने शनिवार को कहा कि सेबी की चेयरपर्सन और उनके पति ने विदेशी इकाइयों में निवेश किया था, जो कथित तौर पर इंडिया इन्फोलाइन (आईआईएफएल) द्वारा प्रबंधित फंड संरचना का हिस्सा थे और उसमें विनोद अदाणी का भी निवेश रहा। हिंडनबर्ग के मुताबिक, साल 2015 में कथित तौर पर ये निवेश वर्ष 2017 में सेबी के पूर्णकालिक सदस्य के रूप में माधवी पुरी बुच की नियुक्ति और मार्च, 2022 में इसका चेयरपर्सन बनने से काफी पहले किए गए थे।

इसके मुताबिक, बरमूडा स्थित ग्लोबल अपॉर्च्युनिटीज फंड भी इस फंड में निवेश करने वालों में शामिल था। अदाणी समूह से जुड़ी इकाइयों द्वारा समूह की कंपनियों के शेयरों में कारोबार के लिए कथित तौर पर ग्लोबल ऑपर्च्युनिटीज फंड का ही इस्तेमाल किया गया था। बुच और उनके पति 2015 में इनमें से एक उप-फंड में निवेशक थे। म्यूचुअल फंड उद्योग निकाय एम्फी ने सेबी प्रमुख बुच का समर्थन किया। एम्फी ने कहा, नियामक की चेयरपर्सन पर हाल की टिप्पणियों ने न केवल भारतीय पूंजी बाजार में माधबी बुच के योगदान को कम करने का प्रयास किया है, बल्कि यह हमारे देश की आर्थिक प्रगति को भी कमजोर करता है। बाजार पारिस्थितिकी में विश्वास की कमी पैदा करने वाले प्रयासों को वास्तव में ऐसे देखा जाना चाहिए कि ये अतीत की अलग-अलग घटनाओं को जोड़कर सनसनी पैदा करने का प्रयास हैं। म्यूचुअल फंड निकाय ने चेतावनी दी कि यदि आरोपों पर ध्यान नहीं दिया तो वे दुनिया की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के मार्ग में अनावश्यक बाधाएं उत्पन्न कर सकते हैं।

डीआरआई ने हैदराबाद हवाई अड्डे पर एक करोड़ रुपए का सोना जब्त किया, एक गिरफ्तार

हैदराबाद/भाषा। हैदराबाद में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर एक यात्री से एक करोड़ रुपए मूल्य का 1.3 किलोग्राम से अधिक विदेशी सोना जब्त किया गया।

राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) ने रविवार को यह जानकारी दी। राजस्व खुफिया निदेशालय ने एक विज्ञप्ति में बताया कि डीआरआई, हैदराबाद जोनल यूनिट को जानकारी मिली थी कि नौ अगस्त को एक उड़ान से हैदराबाद आने वाले एक व्यक्ति द्वारा दुबई से हैदराबाद सोने की तस्करी की जा रही है।

इसने कहा कि इस आधार पर एजेंसी के अधिकारियों ने हवाई अड्डे के अंतरराष्ट्रीय आगमन हॉल के निकास क्षेत्र में संदिग्ध यात्री को रोक लिया।

भूस्खलन प्रभावित वायनाड में तलाश अभियान फिर शुरू, सैकड़ों नागरिक स्वयंसेवक शामिल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड। केरल के वायनाड जिले में 30 जुलाई को बड़े पैमाने पर हुई भूस्खलन की घटनाओं में लापता लोगों की तलाश में रविवार सुबह व्यापक तलाश अभियान शुरू किया गया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को आपदा प्रभावित मुंडक्कई और चूरलमाला क्षेत्रों का दौरा किया था। शुक्रवार दोपहर को तलाश अभियान रोक दिया गया था क्योंकि प्रधानमंत्री के दौरे के मद्देनजर विशेष सुरक्षा समूह (एसपीजी) ने इस क्षेत्र को अपने नियंत्रण में ले लिया था।

पुलिस, अग्निशमन विभाग के कर्मचारी, विभिन्न संगठनों के स्वयंसेवक, घटनास्थल से सुरक्षित बचाए गए लोग और पीड़ितों के रिश्तेदार भी अपनों की तलाश के काम में जुट गए हैं। जिला प्रशासन के अनुसार स्थानीय प्रतिनिधियों, स्वयंसेवकों और शिविरों में रहने वाले लोगों को तलाश अभियान का हिस्सा बनने के लिए पंजीकरण कराना होगा। प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को भूस्खलन प्रभावित वायनाड जिले का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने इस त्रासदी को प्रकृति का रौद्र रूप बताते हुए आश्वासन दिया कि केंद्र सरकार राहत और पुनर्वास कार्यों में केरल की मदद में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। केरल सरकार के अनुसार भूस्खलन में 229 लोग मारे गए हैं जबकि 130 से अधिक लोग अब भी लापता हैं।

भूस्खलन पीड़ितों के परिजनों को सांत्वना देते समय केरल के मंत्री हुए भावुक

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

वायनाड/भाषा। केरल के वन मंत्री ए के ससीन्द्रन वायनाड जिले में विनाशकारी भूस्खलन के बाद परिवार के लापता सदस्यों की तलाश कर रहे लोगों को सांत्वना देते हुए भावुक हो गए।

भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने वाले मंत्री ने एक पिता और पुत्र से बात की, जो उस स्थान पर तलाश करते देखे गए, जहां कभी उनका घर हुआ करता था। असहाय परिवार की पीड़ादायक बातें और चिंताएं सुनकर ससीन्द्रन भावुक हो गए और उन्होंने लड़के को सांत्वना देने के लिए उसे गले लगा लिया। बाद में मीडिया से लोगों की तकलीफ बयां करते हुए मंत्री खुद भी गमगीन दिखे।

उन्होंने कहा, मैंने अपने जीवन में कभी नहीं सोचा था कि मुझे ऐसा मंजर देखना पड़ेगा। मैं उन्हें क्या जवाब दूं। उनके सवालों का कोई जवाब नहीं है। मंत्री ने सभी से पीड़ितों के जीवन को फिर से पटरी पर लाने के लिए एकजुट होकर काम करने का आग्रह किया। उन्होंने आपदा में जीवित बचे लोगों को यह भी आश्वासन दिया कि पूरा राज्य और सरकार उनके जीवन के सबसे कठिन समय में उनके साथ खड़ी है।

केरल के पूर्व मंत्री कुट्टी अहमद कुट्टी का निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

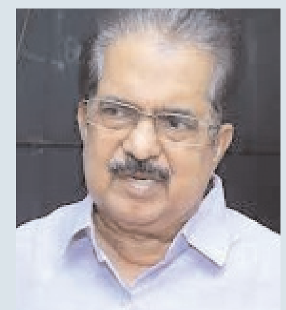

मलप्पुरम/भाषा। इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग (आईयूएमएल) के वरिष्ठ नेता कुट्टी अहमद कुट्टी का उम्र संबंधी बीमारियों की वजह से यहां तनूर स्थित उनके आवास पर निधन हो गया। परिवार के सूत्रों ने यह जानकारी दी। वह 71 साल के थे।

तीन बार के पूर्व विधायक ने विधानसभा में तनूर और तिरूरांगडी का प्रतिनिधित्व किया था। ओमन चांडी के नेतृत्व वाली यूडीएफ सरकार में कुट्टी के पास स्थानीय स्वशासन विभाग का जिम्मा था। वह कुछ साल पहले एक कार हादसे के बाद से राजनीति में सक्रिय नहीं थे। वह फिलहाल आईयूएमएल की राज्य कार्यकारिणी के सदस्य थे। उन्होंने पार्टी के राज्य उपाध्यक्ष और जिला सचिव के रूप में भी कार्य किया था। उनके परिवार में पत्नी और तीन संतान हैं।

मुख्यमंत्री पिनराई विजयन, विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष वी डी सतीशन और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता रमेश चेन्नीथला समेत अलग-अलग दलों के नेताओं ने कुट्टी के निधन पर शोक व्यक्त किया। अपने शोक संदेश में मुख्यमंत्री ने कहा कि कुट्टी एक प्रमुख राजनीतिक नेता थे, जिन्होंने मंत्री और विधानसभा सदस्य के रूप में उल्लेखनीय उपस्थिति दर्ज कराई। उनके निधन से समाज को बहुत बड़ी क्षति हुई है।

न्यायालय तमिलनाडु के पूर्व मंत्री सेंथिल बालाजी की जमानत याचिका पर आज करेगा सुनवाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय तमिलनाडु के पूर्व मंत्री वी. सेंथिल बालाजी की जमानत याचिका पर सोमवार को सुनवाई करेगा, जिन्हें पिछले साल धन शोधन के एक मामले में प्रवर्तन निदेशालय ने गिरफ्तार किया था।

न्यायमूर्ति अभय एस ओका और न्यायमूर्ति ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह की पीठ इस मामले में बालाजी की दूसरी जमानत याचिका खारिज करने के मद्रास उच्च न्यायालय के 28 फरवरी के आदेश को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर सुनवाई करने वाली है।

उच्च न्यायालय ने जमानत याचिका खारिज करते हुए कहा था कि अगर उन्हें इस तरह के मामले में जमानत पर रिहा किया गया तो इससे गलत संदेश जाएगा और यह वृहद जनहित के खिलाफ होगा। उसने कहा था कि याचिकाकर्ता को आठ महीने से अधिक समय तक जेल में रहना पड़ा है और इसलिए, विशेष अदालत को समय सीमा के भीतर मामले का निपटारा करने का निर्देश देना अधिक उचित होगा।

बालाजी को पिछले साल 14 जून को ईडी ने पूर्ववर्ती अन्ना द्रमुक सरकार में परिवहन मंत्री रहने के दौरान नौकरी के बदले नकदी घोटाले से जुड़े धन शोधन मामले में गिरफ्तार किया था। ईडी ने पिछले साल 12 अगस्त को बालाजी के खिलाफ 3,000 पन्नों का आरोपपत्र दाखिल किया था। उच्च न्यायालय ने 19 अक्टूबर को बालाजी की पहले की एक जमानत याचिका खारिज कर दी थी। एक स्थानीय अदालत भी उनकी जमानत याचिकाएं तीन बार खारिज कर चुकी है।

कोचीन हवाईअड्डे पर बैग में बम होने संबंधी टिप्पणी करने पर यात्री गिरफ्तार

कोच्चि। केरल के कोचीन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षा जांच के दौरान बम संबंधी टिप्पणी करने के आरोप में मुंबई जाने वाले एक यात्री को गिरफ्तार कर लिया गया। कोचीन अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा लिमिटेड (सीआईएएल) ने रविवार को कहा कि मनोज कुमार (42) ने सामान की जांच करने वाले काउंटर पर केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) के अधिकारी से 'डरा देने वाली' टिप्पणी की थी। मनोज कुमार रविवार सुबह एयर इंडिया की फ्लाइट से कोचीन से मुंबई जाने वाला था।

सीआईएएल ने एक बयान में कहा, विमान में चढ़ने से पहले सुरक्षा जांच के दौरान कुमार ने सीआईएसएफ अधिकारी से पूछा, क्या मेरे बैग में कोई बम है? यात्री की इस बात से वहां लोगों में तुरंत चिंता व्याप्त हो गई जिसके बाद हवाईअड्डा सुरक्षा दल ने त्वरित कार्रवाई की। हवाईअड्डा प्राधिकरण ने कहा कि बम खोज एवं निरोधक दस्ते ने यात्री केबिन और सामान की पुन: जांच की।

सीआईएएल ने कहा कि बीडीडीएस द्वारा जांच पूरी करने के बाद वहां कोई भी गड़बड़ी या खतरा नहीं पाया गया, जिसके बाद कुमार को मामले में आगे के जांच के लिए स्थानीय पुलिस को सौंप दिया गया। स्थिति का आकलन करने के लिए गठित बम खतरा आकलन समिति (बीटीएसी) ने कहा कि बम की सूचना विश्वसनीय नहीं थी, लेकिन फिर भी हमने सुरक्षा के लिए स्थिति की जांच की। सीआईएएल ने बताया कि बीटीएसी ने अपनी कार्रवाई पूरी कर ली, जिससे विमान समय पर रवाना हो गया।

अन्नामलाई ने तिरंगा यात्रा की अनुमति नहीं देने पर द्रमुक सरकार पर निशाना साधा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

तिरुपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. अन्नामलाई ने रविवार को कहा कि पुलिस ने उनकी पार्टी को मोटरसाइकिल पर तिरंगा यात्रा निकालने की अनुमति देने से इनकार कर दिया। अन्नामलाई ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) ने दिखा दिया कि उसे राष्ट्रीय ध्वज पसंद नहीं है।

अन्नामलाई ने यहां संवाददाताओं को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'हर घर तिरंगा' अपील और पार्टी की देश भर में 'तिरंगा यात्रा' निकालने की योजना का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा, 'यह भाजपा का झंडा नहीं है और सभी का स्वागत है। यात्रा में वाहन और राष्ट्रीय ध्वज होंगे। यह तिरंगा यात्रा है और इसका उद्देश्य लोगों में (बेहतर) जागरूकता पैदा करना और सभी घरों पर फहराते राष्ट्रीय ध्वज को देखना है।'

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष ने कहा, 'यह एक बहुत आश्चर्य की बात है, जो सिर्फ तमिलनाडु में हुई है। द्रमुक के लोगों के लिए राष्ट्रीय ध्वज खुद एक समस्या है। देखिये कि वे किस तरह दिखा रहे हैं कि उन्हें राष्ट्रीय ध्वज पसंद नहीं है। यात्रा के लिए अनुमति न देकर उन्होंने फिर से अपना गुस्सा जाहिर कर दिया है।'

तमिलनाडु में कांग्रेस तिरंगा मार्च निकालेगी, भाजपा पर 'तिरंगा हथियाने के प्रयास' का आरोप लगाया

चेन्नई। कांग्रेस की तमिलनाडु इकाई के अध्यक्ष के. सेल्वापेरुन्थागई ने रविवार को अपने पार्टी पदाधिकारियों को दोपहिया वाहनों और पदयात्राओं के जरिए तिरंगा मार्च निकालने को कहा। इसके साथ ही उन्होंने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए कहा कि वह तिरंगा यात्रा निकालकर राष्ट्रीय ध्वज को ''हथियाने'' का प्रयास कर रही है। सेल्वापेरुन्थागई ने कहा कि भाजपा सहित कोई भी ताकत तिरंगे के साथ कांग्रेस पार्टी के लगाव को तोड़ नहीं सकती और सभी को स्वतंत्रता दिवस पर राष्ट्रीय ध्वज फहराने एवं जश्न मनाने का अधिकार है।

कांग्रेस नेता ने एक बयान में कहा कि भाजपा राज्यों में तिरंगा रैलियां आयोजित करके ''तिरंगे को हथियाने'' का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि आमतौर पर पहले ऐसा नहीं होता था, लेकिन जब से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपील की है तब से ही तिरंगा रैली निकाली जा रही हैं। सेल्वापेरुन्थागई ने कहा कि 12 से 15 अगस्त तक जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्षों को अपने-अपने जिला मुख्यालयों में 'तिरंगा मोटरसाइकिल रैलियां' आयोजित करनी चाहिए तथा गांवों और तालुकाओं में राष्ट्रीय ध्वज लेकर पदयात्राएं निकाली जानी चाहिए।

उन्होंने कहा कि इस तरह का आयोजन कर स्वतंत्रता आंदोलन, गांधी जी द्वारा निभाई गई भूमिका और पार्टी की महत्वपूर्ण भूमिका का उल्लेख करते हुए लोगों को कांग्रेस पार्टी का राष्ट्रीय ध्वज के साथ जुड़ाव और बंधन समझाया जाना चाहिए। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) ने 52 साल तक राष्ट्रीय ध्वज नहीं फहराया। उन्होंने कहा कि केवल 15 अगस्त 1947 और 26 जनवरी 1950 को नागपुर स्थित आरएसएस मुख्यालय पर राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया था।

सेल्वापेरुन्थागई ने दावा किया कि 52 वर्षों के अंतराल के बाद आरएसएस ने 26 जनवरी 2001 को ही राष्ट्रीय ध्वज फहराया था। उन्होंने कहा कि आरएसएस ने राष्ट्रीय ध्वज का बहिष्कार किया और उसका अपमान किया तथा अब भाजपा इसे हथियाने का प्रयास कर रही है और यह 'एक षड्यंत्र' है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नौ अगस्त को लोगों से हर घर तिरंगा' अभियान को एक यादगार जन-आंदोलन बनाने का आग्रह किया। उन्होंने लोगों से प्रोफाइल तस्वीर की जगह राष्ट्रीय ध्वज लगाने की भी अपील की। इसके बाद भाजपा ने 11 से 14 अगस्त तक तिरंगा यात्रा निकालने की घोषणा की।

प्रज्ञानानंदा को सेंट लुई रेपिड एवं ब्लिट्ज टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

चेन्नई/सेंट लुई (अमेरिका)/भाषा। भारतीय ग्रैंडमास्टर आर प्रज्ञानानंदा यहां शुरू हो रहे सेंट लुई रेपिड एवं ब्लिट्ज शतरंज टूर्नामेंट में एक बार फिर दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों से भिड़ेंगे। हाल के टूर्नामेंट में प्रदर्शन में थोड़ी गिरावट के बावजूद प्रज्ञानानंदा ग्रैंड शतरंज टूर की अंतिम तालिका में पोडियम पर जगह बनाना चाहेंगे। इससे उन्हें बोनस नकद पुरस्कार राशि भी मिलेगी।

अब तक के समग्र टूर परिणामों में तीसरे स्थान पर चल रहे प्रज्ञानानंदा के पास अपनी स्थिति सुधारने के लिए लगातार दो टूर्नामेंट हैं। वह रेपिड एवं ब्लिट्ज टूर्नामेंट के तुरंत बाद वह सिंकफील्ड कप में हिस्सा लेंगे जहां उनके साथ हमवतन और विश्व चैंपियनशिप के चैलेंजर डी गुकेश भी चुनौती पेश करेंगे। रोमानिया के बुखारेस्ट और क्रोएशिया के जाग्रेब में दो लगातार जीत के साथ पिछले साल के टूर विजेता अमेरिका के फैबियानो करुआना 22.25 अंक के साथ शीर्ष पर हैं। फ्रांस के अलीरेजा फिरोजा 17.58 अंक के साथ दूसरे जबकि प्रज्ञानानंदा 16.25 अंक के साथ तीसरे पायदान पर हैं। गुकेश भी उनसे बहुत पीछे नहीं हैं। वह 14.25 अंक जुटाकर चौथे स्थान पर हैं लेकिन उनके लिए समस्या यह है कि उनके पास केवल एक ही प्रतियोगिता बची है जबकि शीर्ष तीन खिलाड़ी सभी चार प्रतियोगिताओं में खेलेंगे। यहां रेपिड एवं ब्लिट्ज टूर्नामेंट में रूस के इयान नेपोमनियाची, फ्रांस के मैक्सिम वाचियेर-लाग्रेव, उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक अब्दुसत्तारोव और अमेरिका के वेस्ली सो जैसे खिलाड़ी एक बार फिर नजर आएंगे। अन्य तीन प्रतिभागी वाइल्ड कार्ड धारक हैं जिनमें लेवोन अरोनियन, हिकारू नाकामुरा और लेनियर डोमिन्गुएज की अमेरिकी तिकड़ी शामिल है। इस टूर्नामेंट में इन 10 खिलाड़ियों के बीच नौ रेपिड और 18 ब्लिट्ज बाजियां होंगी। रेपिड में प्रत्येक जीत पर दो अंक जबकि ड्रॉ होने पर एक अंक मिलता है। ब्लिट्ज में जीत के लिए एक अंक और प्रत्येक ड्रॉ के लिए आधा अंक दिया जाएगा।

पंपा सागर बांध के फाटक की चैन टूटने पर बाढ़ की चेतावनी जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोप्पल। कर्नाटक के कोप्पल में तुंगभद्रा नदी पर स्थित पंपा सागर बांध के 19वें फाटक की चेन टूट जाने के बाद भारी मात्रा में पानी बाहर आने पर बाढ़ की चेतावनी जारी की गई है।

जल संसाधन विभाग के सूत्रों ने बताया कि उन्हें जलाश्य के मरम्मत कार्य के लिए बांध की कुल मौजूदा क्षमता 105 टीएमसी के मुकाबले जल स्तर को घटाकर 65 से 55 टीएमसी तक करना होगा। विभाग ने जलाश्य का मरम्मत कार्य शुरू करने के लिए पांच फाटकों को छोड़कर अन्य सभी फाटक खोल दिए हैं। सूत्रों के अनुसार, बांध से अभी 89,000 क्यूसेक पानी छोड़ा जा रहा है।

कोप्पल जिले के प्रभारी मंत्री शिवराज तंगदागी ने बांध की स्थिति का निरीक्षण करने के बाद कहा, हमें बांध से कम से कम 60 से 65 टीएमसी पानी छोड़ना पड़ सकता है। 20 फुट पानी छोड़े जाने के बाद ही समस्या का समाधान हो सकता है, इसलिए बांध को खाली करना जरूरी है।'' इस बीच, जल संसाधन विभाग का प्रभार संभालने वाले उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार स्थिति का जायजा लेने के लिए कोप्पल पहुंच गए हैं। तुंगभद्रा नदी के निचले हिस्से में बाढ़ का कोई डर नहीं है, हालांकि पानी का बहाव तेज हो गया है। बांध से भारी मात्रा में पानी छोड़े जाने के कारण लोगों को नदी के पास न जाने की चेतावनी दी गई है।

कोप्पल में रविवार को उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने बांध की स्थिति का जायजा लिया

पंपा सागर बांध के क्षतिग्रस्त फाटक की मरम्मत का कार्य दो कंपनियों को सौंपा गया : शिवकुमार

कोप्पल। उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने रविवार को कहा कि तुंगभद्रा नदी पर पंपा सागर बांध के क्षतिग्रस्त फाटक की मरम्मत के लिए दो कंपनियों से संपर्क किया गया है। उपमुख्यमंत्री शिवकुमार ने बांध स्थल का दौरा किया और कहा कि बांध के 19वें फाटक के बह जाने के बाद बांध को क्षति पहुंचने की आशंका थी। जल संसाधन विभाग का प्रभार संभालने वाले शिवकुमार ने कहा, हमने इसके बारे में दो अनुभवी ठेकेदारों को सूचित किया है और उन्हें डिजाइन मुहैया कराये हैं। उनके दल ने रात में इस स्थान का दौरा भी किया।

वे बांध के फाटक की मरम्मत करने की भी कोशिश कर रहे हैं। शिवकुमार के अनुसार पिछली रात करीब 12 बजकर 50 मिनट पर बांध का 'क्रेस्ट' फाटक बह गया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि चूंकि बांध को क्षति पहुंचने की आशंका थी, इसलिए सभी फाटक खोल दिये गये, जिससे 38000 क्यूसेक पानी पड़ोसी राज्यों आंध्रप्रदेश एवं तेलंगाना में छोड़ा जा रहा है।

बीदर में सड़क दुर्घटना में तीन लोगों की मौत

बीदर/दक्षिण भारत। कर्नाटक के बीदर जिला मुख्यालय के बाहरी इलाके में जनवाड़ा के पास रविवार को एक ऑटोरिक्शा और बस के बीच हुई आमने-सामने की टक्कर में तीन लोगों की मौत हो गई तथा तीन अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, हादसे में अनीता बाई (45) और उनके दो बच्चों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन अन्य घायल हो गए। शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मृतकों की पहचान बीदर के होनाकेरी टांडा के निवासियों के रूप में हुई है। जनवाड़ा थाने में दुर्घटना का मामला दर्ज किया गया है।

भरतपुर में बाणगंगा नदी में डूबने से 7 युवकों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

भरतपुर। भरतपुर के श्रीनगर गांव में एक दिल दहलाने वाली घटना सामने आई है, जहां सात युवकों की बाणगंगा नदी में डूबने से मौत हो गई। यह दुखद घटना तब हुई जब आठ युवक नदी में नहाने गए थे। एक गहरे गड्ढे की अनजानगी के कारण सात युवक डूब गए, जबकि एक युवक किसी तरह से बचकर गांव पहुंचा और घटना की जानकारी दी।

घटना की खबर फैलते ही गांव के लोग घटनास्थल पर पहुंचे और सभी सात युवकों के शवों को नदी से बाहर निकाला गया। पुलिस भी मौके पर पहुंची और शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेजा गया। बताया जा रहा है कि युवक यहां रील बनाने के लिए आए थे, लेकिन इस दुखद हादसे का शिकार हो गए।

एक साथ सात युवकों की मौत से गांव में शोक का माहौल है, और उनके परिवारों में रो-रोकर बुरा हाल है। अभी तक मृतकों की पहचान नहीं हो पाई है, और यह भी स्पष्ट नहीं हो सका है कि स्थानीय लोगों को नदी में मौजूद गड्ढे की जानकारी थी या नहीं।

इस वक्त भरतपुर के गांवों में बाढ़ का खतरा भी मंडरा रहा है। पांचना बांध के छह गेट खोल दिए गए हैं, जिससे 35000 क्यूसेक पानी गंभीर नदी में छोड़ा गया है, और जलस्तर बढ़ने से स्थिति और गंभीर हो गई है। साथ ही यहां बारिश भी जारी है। प्रशासन ने तटीय क्षेत्रों में रहने वाले लोगों से सावधानी बरतने और सुरक्षित स्थानों पर जाने की अपील की है। इस घटना ने पूरे गांव को सदमे में डाल दिया है, और प्रशासन की ओर से उचित कदम उठाने की जरूरत है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं से बचा जा सके।

जानकारी के अनुसार गांव के लोग नदी के किनारे के मिट्टी खोदकर निकाला करते थे, जिसके चलते वहां जगह-जगह पर गहरे गड्ढे हो गए थे और मिट्टी के टीले बन गए थे। इस कारण वहां से होकर गुजर रही बाण गंगा नदी के किनारे बने मिट्टी के ढीले पर खड़े होकर सात नवयुवक नदी के तेज बहाव को देख रहे थे। उसी दौरान मिट्टी का टीला ढह गया। हादसे में सातों नवयुवक उन गहरे गड्ढों में डूब गए।

हादसे की सूचना मिलते ही जिला कलेक्टर डॉ. अमित यादव घटना स्थल पर पहुंचे और एसडीआरएफ की टीम भी मौके पर पहुंचीं। राहत बचाव कार्य करते हुए सात नवयुवकों के शवों को बयाना की झील का बाड़ा सीएचसी पर लाया गया। यहां से दो नव युवकों के शव भरतपुर जिला अस्पताल की मोर्चरी पहुंचाया गया।

उल्लेखनीय है कि लगातार तीन चार दिन से हो रही मूसलाधार बारिश होने के चलते बाण गंगा नदी में अधिक पानी आ गया और उसका तेज बहाव चलने लगा। यह बाण गंगा नदी दौसा तक जाती है। जिला प्रशासन ने बारिश शुरू होने के चलते तमाम नदियों के बहाव क्षेत्र में ग्रामीणों को अलर्ट किया गया था, जिसके लिए तहसीलदार एवं पटवारियों को अलर्ट किया गया था, लेकिन उसके बावजूद कुछ नवयुवक नदी के तट पर पहुंच रहे थे। घटना के बाद मृतकों के परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

जयपुर में कार और ट्रक की टक्कर में तीन युवकों की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान की राजधानी जयपुर के रामनगरिया थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात एक ट्रक और कार की टक्कर में कार सवार तीन युवकों की मौत हो गई। थानाधिकारी अरुण कुमार ने बताया कि महल रोड पर एनआरआई चौराहे के पास तेज गति से आ रही एक कार 'यू-टर्न' ले रहे ट्रक से टकरा गई, जिससे कार में सवार अमीश वाधवा (19), वेदांत अहलूवालिया (19) और विकास (20) की मौत हो गई।

कुमार के अनुसार, वेदांत लंदन के एक कॉलेज से इंजीनियरिंग की पढ़ाई कर रहा था और छुट्टियां मनाने के लिए जयपुर आया था, जबकि अमीश जयपुर के एक निजी कॉलेज में बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन पाठ्यक्रम का छात्र था। वहीं, चालक विकास वेदांत के परिवार के लिए काम करता था।

कुमार ने बताया कि रविवार को पोस्टमार्टम के बाद तीनों शव परिजनों को सौंप दिए गए। उन्होंने कहा कि घटना के संबंध में ट्रक चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

देश के प्राचीन गौरव को बढ़ा रहे हैं प्रधानमंत्री मोदी : भजनलाल शर्मा

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने शनिवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश के प्राचीन गौरव को बढ़ा रहे हैं। शर्मा ने नागौर के मेड़तासिटी में आयोजित 520वें मीरा महोत्सव एवं मेड़ता विधानसभा की बजट घोषणाओं के लिए आभार सभा को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित करते हुए यह बात कही। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी देश की विरासत को विकास से जोड़कर भारत के प्राचीन गौरव को बढ़ा रहे हैं। प्रधानमंत्री ने अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण, काशी विश्वनाथ कॉरिडोर और उज्जैन में महाकाल लोक के निर्माण के माध्यम से देश में नए उत्साह का संचार किया है। आधिकारिक बयान के अनुसार शर्मा ने कहा कि इसी दिशा में राज्य सरकार ने बजट में खाटूश्याम जी मन्दिर को भव्य बनाने के लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। उन्होंने कहा कि परिवर्तित बजट 2024-25 में मंदिरों के जीर्णोद्धार व धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने हेतु विभिन्न विकास कार्यों की घोषणा की है। मुख्यमंत्री ने कहा, मेड़ता भक्ति और शक्ति की धरती है। भक्त शिरोमणी मीराबाई की भक्ति अतुलनीय है। मीराबाई जैसे भक्तों और हमारे ऋषि-मुनियों ने इस देश को अध्यात्म और ज्ञान का केंद्र बनाया। मीराबाई ने भक्ति और अध्यात्म की अमृतधारा से भारत की चेतना को सींचा था। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा हर क्षेत्र की जन आकांक्षाओं के अनुरूप योजनाओं एवं विकास कार्यों को बजट में शामिल किया गया है।

इस अवसर पर जन स्वास्थ्य एवं अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने कहा कि राज्य सरकार बजट घोषणाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है। इसी दिशा में बजटीय घोषणाओं के क्रियान्वयन की निरंतर समीक्षा की जा रही है।

करौली में भारी बारिश से मकान ढहा, पिता-पुत्र की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के करौली जिले में रविवार तड़के भारी बारिश के कारण एक मकान ढह जाने से उसके मलबे में दबकर 40 वर्षीय एक व्यक्ति और उसके बेटे की मौत हो गई तथा दो अन्य लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि यह घटना शहर के डोलीखर मोहल्ले में उस समय हुई, जब परिवार के लोग अपने घर में सो रहे थे। उन्होंने बताया कि भारी बारिश के कारण मकान ढहने उसके मलबे में दबकर दो लोगों की मौत हो गई और दो अन्य घायल हो गए। करौली जिला अस्पताल के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. रामकेश मीणा ने संवाददाताओं को बताया कि घटना में दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए, जिनका अस्पताल में इलाज किया जा रहा है। मीणा के अनुसार, मृतकों की पहचान जाकिर खान (40) और उसके बेटे राशिद खान (12) के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिए जाएंगे।

राजस्थान में बारिश का दौर जारी

राजस्थान में मानसून की सक्रियता के चलते पिछले 24 घंटे के दौरान कुछ हिस्सों में हल्की से मध्यम दर्जे और कुछ हिस्सों में भारी बारिश दर्ज की गई। जयपुर मौसम केंद्र के अनुसार, पिछले 24 घंटे में पश्चिमी राजस्थान में कहीं-कहीं पर और पूर्वी राजस्थान में कई जगहों पर बादल गरजने के साथ बारिश हुई। केंद्र के प्रवक्ता राधेश्याम शर्मा ने बताया कि इस अवधि में दौसा, भरतपुर, सवाई माधोपुर, कोटा और बारां जिले में भारी बारिश, टोंक जिले में भारी से अति भारी बारिश तथा करौली जिले में भारी से अत्यंत भारी बारिश दर्ज की गई। शर्मा के मुताबिक, पूर्वी राजस्थान में करौली में सर्वाधिक 380 मिलीमीटर बारिश हुई, जबकि पश्चिमी राजस्थान के पूगल, बीकानेर में 32 मिलीमीटर, निवाई में 137 मिलीमीटर, महावीर जी में 118 मिलीमीटर, शाहाबाद में 115 मिलीमीटर, सिकराय में 108 मिलीमीटर, टोंक तहसील व सपोटरा में 95-95 मिलीमीटर, हिंडौन में 93 मिलीमीटर व निर्झरा में 92 मिलीमीटर पानी बरसा।

इलेक्ट्रोपैथी को प्रोत्साहन देने के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने भारत को प्राचीनकाल से ही कई पारंपरिक और वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों का केंद्र बताते हुए कहा है कि इन चिकित्सा पद्धतियों के माध्यम से 'यूनिवर्सल हेल्थ कवरेज' के लक्ष्य को हासिल करने में मदद मिल रही है तथा इनमें इलेक्ट्रोपैथी की विशेष महत्ता है और राज्य सरकार इसे प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है।

शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सकों की आभार एवं अभिनंदन सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार आमजन के स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए दूरगामी निर्णय ले रही है। इसी क्रम में राज्य सरकार ने अपने पहले बजट में ही पारंपरिक चिकित्सा पद्धति इलेक्ट्रोपैथी को बढ़ावा देने के लिए इलेक्ट्रोपैथी बोर्ड का गठन करने और इसके लिए प्रथम चरण में पांच करोड़ रुपये के बजट का प्रावधान किया है। साथ ही बजट में इलेक्ट्रोपैथी चिकित्सा के सम्बन्ध में परीक्षण कर नियम बनाने की महत्वपूर्ण घोषणा भी की गई है।

उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्वास्थ्य सेवाओं एवं सुविधाओं का निरन्तर विस्तार कर रही है। परिवर्तित बजट 2024-25 में स्वास्थ्य क्षेत्र को सर्वाधिक महत्व देते हुए लगभग 27 हजार 660 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है जो बजट का 8.26 प्रतिशत हिस्सा है। इससे आमजन को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध हांगी एवं स्वास्थ्य ढ़ाचे का विस्तार एवं सुदृढ़ीकरण होगा। उन्होंने कहा कि इलेक्ट्रोपैथी एक प्रभावी चिकित्सा पद्धति के रूप में उभर रही है। इस पद्धति में औषधीय पौधों के रस का उपयोग कर विभिन्न रोगों का प्रभावी रूप से इलाज किया जाता है। राज्य सरकार इस पद्धति के विस्तार के लिए संकल्पित है। शर्मा ने कहा कि पण्डित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय के संकल्प के माध्यम से केन्द्र और राज्य सरकार की योजनाएं अंतिम पंक्ति में खड़े व्यक्ति को लाभांवित कर रही हैं। उन्होंने कहा कि समाज के प्रति नागरिकों के कर्तव्य भी होते हैं। इसलिए नागरिक जरूरतमंद तक इन सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए सक्रिय भूमिका निभाएं। एक दिया आप जलाएं और एक दिया हम जलाएं, जिससे रोशनी फैले और अंधकार समाप्त हो।

राजस्थान को बनाएंगे ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर : भजनलाल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा है कि राज्य सरकार समाज के सभी वर्गों की आकांक्षाओं के अनुरूप विकसित राजस्थान के संकल्प के साथ बिजली और पानी के लिए प्राथमिकता से काम कर रही है और राज्य को वर्ष 2027 तक ऊर्जा क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने का लक्ष्य रखा गया हैं। शर्मा रविवार को मुख्यमंत्री निवास पर भीलवाड़ा नगर परिषद को नगर निगम में क्रमोन्नत करने सहित भीलवाड़ा और जहाजपुर विधानसभा क्षेत्र से संबंधित बजट घोषणाओं के लिए आयोजित आभार सभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि परिवर्तित राज्य बजट 2024-25 विकसित राजस्थान की धुरी हैं। इसमें प्रदेशवासियों से प्राप्त विभिन्न सुझावों को शामिल करते हुए राज्य के विकास का रोडमैप तैयार किया गया है तथा हर क्षेत्र और हर वर्ग को सौगातें दी गई हैं।

उन्होंने कहा कि राज्य के विकास के लिए बिजली और पानी सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकताएं होती है। इसलिए हमारी सरकार इन क्षेत्रों के लिए प्राथमिकता से कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि राज्य की ऊर्जा जरूरतों को ध्यान में रखते हुए नवीकरणीय ऊर्जा को बढावा देने एवं ऊर्जा उत्पादक इकाइयां स्थापित करने के लिए विभिन्न एमओयू किये गये हैं। हमारा लक्ष्य वर्ष 2027 तक राजस्थान को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाना है।

उन्होंने कहा कि प्रदेशवासियों को शुद्ध पेयजल एवं सिंचाई के लिए पानी उपलब्ध कराने के लिए हमारी सरकार पूर्वी राजस्थान के लिए ईआरसीपी के साथ ही शेखावाटी के लिए यमुना जल समझौता तथा दक्षिण राजस्थान के जिलों के लिए देवास परियोजना का धरातल पर क्रियान्वयन कर रही है। उन्होंने कहा कि बिजली-पानी की पर्याप्त उपलब्धता से राज्य में कृषि, उद्योग एवं पर्यटन क्षेत्र को बढ़ावा मिलेगा जिससे विकसित राजस्थान का सपना साकार होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भीलवाड़ा शहर का विस्तार तेजी से हो रहा है। भविष्य की जरूरतों को समझते हुए भीलवाड़ा नगर परिषद को नगर निगम में क्रमोन्नत करने का फैसला लिया गया है। उन्होंने कहा कि परिवर्तित राज्य बजट में भीलवाड़ा विधानसभा क्षेत्र के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं की गई हैं। उन्होंने कहा कि जहाजपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए भी राज्य बजट में कई प्रावधान किए गए है। लगभग 71 करोड़ रुपये की लागत से क्षेत्र की विभिन्न सड़कों का निर्माण उन्नयन एवं चोड़ाईकरण कार्य कराये जायेंगे। कार्यक्रम में जहाजपुर और भीलवाड़ा विधानसभा क्षेत्र से आये लोगों ने मुख्यमंत्री को साफा एवं दुपट्टा पहनाकर उनका अभिनंदन किया एवं शौर्य के प्रतीक के रूप में तलवार भेंट की।

संसदीय कार्य एवं न्याय मंत्री ने वृक्षारोपण कर दिया प्रकृति प्रेम और पर्यावरण संरक्षण का संदेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। संसदीय कार्य, विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मंशानुसार प्रदेशभर में मुख्यमंत्री वृक्षारोपण महाअभियान हरियालो राजस्थान ''एक पेड़ माँ के नाम' के तहत वृहद स्तर पर सघन वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने आने वाली पीढ़ियों और बढ़ रहे तापमान एवं ग्लोबल वार्मिंग की चिंता करते हुए एक पेड़ देश के नाम अभियान आरंभ किया जिसे प्रदेश के मुख्यमंत्री ने संकल्प के साथ धरती पर उतारा है। संसदीय कार्य, विधि एवं न्याय मंत्री जोगाराम पटेल ने रविवार हरियाली सप्तमी पर जोधपुर जिले के भध्देश्वर धाम गोशाला व पर्यावरण विकास सेवा समिति ग्राम चौखा में सूरसागर रामद्वारा महंत डॉ. रामप्रसाद जी महाराज के सानिध्य में आयोजित 1001 सघन वृक्षारोपण एवं वितरण कार्यक्रम में शिरकत की। वृक्षारोपण कर प्रकृति प्रेम और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। इस अवसर पर पटेल ने कहा कि वृक्षारोपण जैसे पुण्य कार्य में भागीदारी निभाने के लिए प्रत्येक व्यक्ति संकल्प लेकर कम से कम दो वृक्ष अवश्य लगाएं, एक वृक्ष मां के नाम और दूसरा वृक्ष हम सब की गौ माता के नाम लगाए। साथ ही, इन वृक्षों को अपनी संतान की तरह संरक्षण कर पुष्पित और पल्लवित भी करें।पटेल ने कहा कि प्राचीनकाल से ही पेड़ों को देव तुल्य मानकर उनकी पूजा की जाती है इसलिए हमारा फर्ज है कि पूर्वजों के पुण्य कार्य को आगे बढ़ाते हुए हम पेड़ों को काटने की बजाए अधिक से अधिक संख्या में वृक्षारोपण कर उनका संरक्षण करें। साथ ही, उन्होंने कहा कि पेड़ों से हमें प्राण वायु ऑक्सीजन मिलती है। अगर पेड़ सुरक्षित होंगे तो हमारा जीवन भी सुरक्षित होगा। इसलिए हम सबको मिलकर अधिक से अधिक पेड़ लगाने है। इस दौरान उपस्थित अथितियों सहित सभी ने मिलकर कई तरह के पेड़ लगाए और उनकी पूरी सेवा व सुरक्षा का संकल्प लिया। इस अवसर पर पटेल ने कहा कि पेड़ लगाने से जहाँ प्रकृति का संरक्षण होता है, वहीं हमारी धरती माता का भी संवर्धन होता है।

पेंशनर्स के अनुभवों का लाभ सभी को मिले : दिलावर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। शिक्षा मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि पेंशनर्स के अनुभवों का लाभ सभी को मिले इसके लिए बेहतर प्रयास किए जाए। उन्होंने पेंशनरों की समस्याओं का समाधान करने का आश्वासन देते हुए कहा कि यह राज्य सरकार का दायित्व है। उन्होंने कहा की आप समाज के प्रमुख व्यक्ति हो, आपकी बात सभी आदर से मानते है। आपको वंचित एवं गरीब की मदद करनी चाहिए। उन्हें सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के बारे में जानकारी देकर उन्हें लाभ दिला सकते है। दिलावर रविवार को बारां जिला स्थित कवाई में राजस्थान पेंशनर समाज के संभागीय अधिवेशन एवं सम्मान समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने समारोह के मुख्य अतिथि के तौर पर मां सरस्वती के आगे दीपक प्रज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस दौरान एसडीएम मंजूर अली दीवान भी मौजूद रहे।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि आने वाली पीढ़ी को स्वच्छ और स्वस्थ वातावरण देना हम सब की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की प्रेरणा और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राजस्थान स्वच्छता एवं पौधारोपण में देश में अग्रणी राज्य के रूप में उभरेगा। पर्यावरण हम सब की जिम्मेदारी है और हम सबको बढ़-चढ़कर पेड़ लगाने चाहिए। उन्होंने अमृता देवी को याद करते हुए कहा कि हमें पेड़ों का मूल्य समझना चाहिए। हमारे पूर्वजों ने वर्षो पहले पेड़ों की रक्षा करते हुए बलिदान दिया था।

जल भराव प्रभावित क्षेत्रों का जिला कलक्टर ने किया दौरा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर में रविवार को बारिश के कारण कई इलाकों में जलभराव की स्थिति बन गई। जिला कलक्टर प्रकाश राजपुरोहित ने जयपुर के जल भराव प्रभावित इलाकों का दौरा किया एवं मौके पर जाकर स्थिति का जायजा लिया।

इस दौरान जिला कलक्टर ने वीकेआई एवं कांवटिया अस्पताल स्थित बाढ़ नियंत्रण कक्ष का निरीक्षण भी किया। उन्होंने नियंत्रण कक्ष की कार्यप्रणाली, संसाधनों की उपलब्धता एवं प्राप्त सूचनाओं पर कार्य प्रगति की जानकारी ली। इस दौरान जिला कलक्टर ने अधिकारियों को जलभराव प्रभावित इलाकों में जल्द से जल्द राहत पहुंचाने एवं जल निकासी सुनिश्चित करने के निर्देश दिये। साथ ही उन्होंने आमजन से भी जलभराव की स्थिति में जिला स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष (दूरभाष नंबर 0141-2204475, 0141-2204476) में संपर्क करने की अपील की। उल्लेखनीय है कि बाढ़ की स्थिति से निपटने के लिए जिला स्तरीय बाढ़ नियंत्रण कक्ष स्थापित है जहां दूरभाष नंबर- 0141-2204475, 0141-2204476 पर संपर्क किया जा सकता है। साथ ही, आमजन जयपुर विकास प्राधिकरण द्वारा बनीपार्क में संचालित बाढ़ नियंत्रण कक्ष दूरभाष नंबर- 0141-2203518 पर सपर्क कर सकते हैं। स्वेज फार्म सामुदायिक केन्द्र पर स्थापित बाढ़ नियंत्रण कक्ष का समन्वयक अधिकारी अधिशाषी अभियंता केसी गुप्ता मोबाइल नंबर- 9928699991, सामुदायिक केन्द्र दांतली पर स्थापित बाढ़ नियंत्रण कक्ष का समन्वयक अधिकारी अधिशाषी अभियंता इरशाद अहमद मोबाइल नंबर- 8764231092 एवं वैशाली नगर सामुदायिक केन्द्र पर स्थापित बाढ़ नियंत्रण कक्ष का समन्वयक अधिकारी अधिशाषी अभियंता तरुण सिंघल 8769383749 नियुक्त किया गया है।

बिहार के वैशाली जिले में एक और छोटा पुल ढहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हाजीपुर (बिहार)/भाषा। बिहार के वैशाली जिले के राघोपुर प्रखंड में एक और छोटा पुल ढह गया है। वैशाली जिला प्रशासन ने रविवार को जारी एक बयान में कहा कि यह पुल राघोपुर प्रखंड के पहाड़पुर गांव में ढहा है।

बयान में बताया गया है, शनिवार को ढहा छोटा पुल 20 साल पुराना था और इसे 2021 में जनता के लिए बंद कर दिया गया था। विधायक स्थानीय क्षेत्र विकास निधि से निर्मित यह पुल 2021 में क्षेत्र में बाढ़ के पानी के भारी दबाव के कारण क्षतिग्रस्त हो गया था। शनिवार को यह छोटा पुल पूरी तरह ढह गया। बयान के मुताबिक, पुल ढहने की इस घटना में किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता और पूर्व उपमुख्यमंत्री तेजस्वी यादव राघोपुर सीट से ही विधानसभा के सदस्य हैं। पिछले दो महीनों में राज्य के विभिन्न जिलों में कई छोटे पुल और पुलिया ढह गए हैं।

राज्य सरकार ने पुलों के ढहने की घटनाओं की जांच कराकर 15 अभियंताओं को हाल में निलंबित कर दिया था।

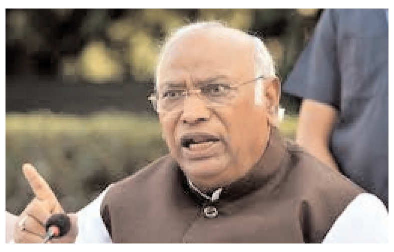

सरकार को सेबी की अदाणी जांच में हितों के टकराव को दूर करना चाहिए: कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। अमेरिकी शॉर्ट-सेलर हिंडनबर्ग रिसर्च द्वारा नियामक भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) की प्रमुख माधवी बुच पर लगाए गए आरोपों की पृष्ठभूमि में कांग्रेस ने रविवार को कहा कि सरकार को अदाणी ग्रुप की विनायमक द्वारा की गयी जांच में हितों के सभी टकरावों को तत्काल दूर करना चाहिए। उसने इस मामले की संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) से जांच कराने की अपनी मांग भी दोहरायी। विपक्षी पार्टी ने यह भी कहा कि 'देश के शीर्ष अधिकारियों की कथित मिलीभगत' का समाधान केवल इस 'घोटाले' के पूरे दायरे की जांच के लिए एक संयुक्त संसदीय समिति गठित करके ही किया जा सकता है।

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने कहा कि सेबी ने उच्चतम न्यायालय के समक्ष मोदी जी के करीबी मित्र अदाणी को हिंडनबर्ग के जनवरी 2023 के खुलासों में 'क्लीनचिट' दी थी। उन्होंने कहा कि हालांकि, सेबी प्रमुख से जुड़े ' परस्पर फायदा पहुंचाने' के नए आरोप सामने आए हैं। उन्होंने 'एक्स' पर कहा,'' मध्यम वर्ग से संबंधित छोटे और मध्यम निवेशकों, जो अपनी मेहनत की कमाई शेयर बाजार में निवेश करते हैं, को संरक्षित करने की आवश्यकता है, क्योंकि वे सेबी पर विश्वास करते हैं। '' उन्होंने कहा, ''जब तक इस महा-घोटाले में जेपीसी जांच नहीं होगी, तब तक मोदी जी अपने मित्र की मदद करते रहेंगे और देश की संवैधानिक संस्थाएं तार-तार होती रहेंगी।'' हिंडनबर्ग रिसर्च ने शनिवार को आरोप लगाया कि सेबी की अध्यक्ष बुच और उनके पति के पास कथित अदाणी धन हेराफेरी घोटाले में इस्तेमाल किए गए अस्पष्ट 'विदेशी फंड' में हिस्सेदारी थी।

अरुणाचल सीमा के पास उग्रवादियों की मौजूदगी की सूचना पर सुरक्षा कड़ी की गई: असम के डीजीपी

गुवाहाटी/भाषा। असम पुलिस ने उल्फा (आई) उग्रवादियों की मौजूदगी की खुफिया जानकारी मिलने के बाद अरुणाचल प्रदेश से सटी सीमा पर सतर्कता बढ़ा दी है। एक शीर्ष अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अरुणाचल प्रदेश की सीमा के पास उग्रवादियों के डेरा डालने की खुफिया जानकारी मिली है। असम के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) जी.पी. सिंह ने यहां एक कार्यक्रम से इतर कहा, ''हमारी खुफिया एजेंसियों और स्थानीय एजेंसियों से मिली रिपोर्ट से पता चला है कि उल्फा (आई) समूह के सदस्य असम-अरुणाचल प्रदेश सीमा के पास डेरा डाले हुए हैं।'' उन्होंने कहा, ''वे कोई हिंसक गतिविधि न कर सकें, इसके लिए सभी कदम उठाए जा रहे हैं। पुलिस, सेना, सीआरपीएफ समेत सभी सुरक्षा एजेंसियां मिलकर काम कर रही हैं।''

डीजीपी ने कहा, ''हमें उम्मीद है कि उल्फा (आई) के सदस्य राज्य में शांति भंग करने के लिए कुछ नहीं करेंगे। हालांकि, हमने अपनी तरफ से निगरानी बढ़ा दी है।''

कांग्रेस की दिलचस्पी अराजकता और विवादों में : सिंधिया ने हिंडनबर्ग विवाद पर कहा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ग्वालियर/भाषा। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने रविवार को कांग्रेस पर सेबी की अध्यक्ष माधवी पुरी बुच के खिलाफ हिंडनबर्ग रिसर्च के आरोपों को लेकर अराजकता और विवाद फैलाने का आरोप लगाया।

अमेरिकी शोध एवं निवेश फर्म हिंडनबर्ग रिसर्च ने संदेह जताया है कि अडाणी समूह के खिलाफ कार्रवाई करने में पूंजी बाजार नियामक सेबी की अनिच्छा का कारण सेबी अध्यक्ष बुच और उनके पति की अडाणी समूह से जुड़े विदेशी फंड में हिस्सेदारी हो सकता है।

केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने हिंडनबर्ग की रिपोर्ट पर

संवाददाताओं के सवाल का जवाब देते हुए कहा, कांग्रेस का काम केवल अराजकता फैलाना और देश को विवादास्पद मामलों में उलझाना है। गुना से सांसद ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के कार्यकर्ता विकास व प्रगति की मशाल लेकर चल रहे हैं जबकि कांग्रेस वर्षों से देश को गुमराह करने तथा अंधेरे में रखने की कोशिश कर रही है।

सेबी प्रमुख ने हिंडनबर्ग के आरोपों को ''आधारहीन'' और ''चरित्र हनन'' का प्रयास बताया है। वहीं, अडाणी समूह ने कहा कि उसका बुच के साथ कभी कोई व्यावसायिक संबंध नहीं रहा।

सेबी प्रमुख और उनके पति ने एक संयुक्त बयान जारी कर हिंडनबर्ग के आरोपों को पूरी तरह निराधार बताते हुए खारिज किया है। बुच दंपति ने कहा, ''रिपोर्ट में लगाए गए आरोप पूरी तरह से आधारहीन और बेबुनियाद हैं। इनमें तनिक भी सच्चाई नहीं है।''

असम-मिजोरम सीमा विवाद को लेकर अगले दौर की वार्ता जनवरी में होगी: असम के मंत्री

गुवाहाटी/भाषा। असम के सीमा सुरक्षा और विकास मंत्री अतुल बोरा ने रविवार को कहा कि मिजोरम के साथ सीमा विवाद को सुलझाने के लिए अगले दौर की चर्चा अगले साल जनवरी में गुवाहाटी में होगी। मंत्री बोरा ने कहा कि दोनों राज्य सरकारें दशकों पुराने विवाद का समाधान चाहती हैं ताकि दोनों तरफ अंतर-राज्यीय सीमा के पास रहने वालों के लिए स्थायी शांति और सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

मंत्री आइजोल से लौटने के बाद गुवाहाटी में संवाददाताओं से बात कर रहे थे। असम सरकार ने सीमा विवाद को सुलझाने के लिए पिछले सप्ताह मिजोरम सरकार के गृह मंत्री के सपडांगा के नेतृत्व वाली एक टीम के साथ बातचीत की थी। आइजोल में असम के प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व बोरा ने किया था।

बोरा ने कहा, ''पिछले साल मिजोरम में विधानसभा चुनावों के कारण सीमा विवाद को लेकर वार्ता नहीं हो पायी। अब हम फिर से विवाद को सुलझाने की दिशा में बढ़ रहे हैं। मिजोरम का एक मंत्रिस्तरीय समूह जनवरी तक अगले दौर की वार्ता के लिए गुवाहाटी का दौरा करेगा। हमने उन्हें अपना निमंत्रण दिया है।''

भाजपा सरकार हर बार आरक्षण की लड़ाई को कमजोर करने की कोशिश करती : अखिलेश यादव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। समाजवादी पार्टी (सपा) के अध्यक्ष और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने अनुसूचित जाति (एससी) और अनुसूचित जनजाति (एसटी) आरक्षण में उप-वर्गीकरण और 'क्रीमी लेयर' के विवाद के बीच रविवार को सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर निशाना साधते हुए दावा किया कि सरकार हर बार अपने गोलमोल बयानों और मुकदमों के माध्यम से आरक्षण की लड़ाई को कमज़ोर करने की कोशिश करती है।

सपा प्रमुख ने रविवार को एक्स पर अपने एक पोस्ट में कहा, किसी भी प्रकार के आरक्षण का मूल उद्देश्य उपेक्षित समाज का सशक्तीकरण होना चाहिए, न कि उस समाज का विभाजन या विघटन। इससे आरक्षण के मूल सिद्धांत की ही अवहेलना होती है। यादव ने दावा किया, अनगिनत पीढ़ियों से चले आ रहे भेदभाव और मौकों की गैर-बराबरी की खाई चंद पीढ़ियों में आए परिवर्तनों से पाटी नहीं जा सकती। उन्होंने कहा कि 'आरक्षण'

शोषित, वंचित समाज को सशक्त और सबल करने का सांविधानिक मार्ग है, इसी से बदलाव आएगा, इसके प्रावधानों को बदलने की आवश्यकता नहीं है। पूर्व मुख्यमंत्री ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा, भाजपा सरकार हर बार अपने गोलमोल बयानों और मुक़दमों के माध्यम से आरक्षण की लड़ाई को कमज़ोर करने की कोशिश करती है, फिर जब पीडीए (पिछड़ा दलित अल्पसंख्यक) के विभिन्न घटकों का दबाव पड़ता है, तो दिखावटी सहानुभूति दिखाकर पीछे हटने का नाटक करती है। सपा प्रमुख ने आरोप लगाया कि भाजपा की अंदरूनी सोच सदैव आरक्षण विरोधी रही है और इसीलिए भाजपा पर से 90 फीसदी पीडीए समाज का भरोसा लगातार गिरता जा रहा है। यादव ने आरोप लगाया, आरक्षण के मुद्दे पर भाजपा की विश्वसनीयता शून्य हो चुकी है।

ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी का पड़ेगा सकारात्मक असर: पोंटिंग

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दुबई/भाषा। विश्व कप विजेता ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग का मानना है कि चार साल बाद आयोजित होने वाले लॉस एंजिल्स ओलंपिक में क्रिकेट की वापसी इस खेल के लिए एक बड़ी सकारात्मक बात होगी।

क्रिकेट की 128 वर्षों के ओलंपिक में वापसी हो रही है। इससे पहले क्रिकेट को एकमात्र बार 1900 ओलंपिक में दो टीमों ग्रेट ब्रिटेन और फ्रांस के बीच खेला गया था। इसका स्वर्ण पदक ब्रिटेन की टीम ने जीता था।

पोंटिंग ने 'आईसीसी रिव्यू' से कहा, ''यह हमारे खेल के लिए केवल एक सकारात्मक बात हो सकती है। मैं पिछले 15 या 20 वर्षों में विभिन्न समितियों का हिस्सा रहा हूं। यह हमेशा लगभग हर एजेंडे में शीर्ष पर रहा है कि हम खेल को ओलंपिक में वापस कैसे ला सकते हैं? और आखिरकार, यह हो रहा है।''

पोंटिंग ने कहा, ''यह केवल चार साल दूर है। मुझे लगता है कि इससे अमेरिका में क्रिकेट को जमीनी स्तर पर पहुंचने का मौका भी मिलेगा। लेकिन ओलंपिक खेलों सिर्फ मेजबान देश के बारे में नहीं है। यह उन दर्शकों के बारे में है जो इसे लोकप्रिय बनाते है।''

पिछले साल अक्टूबर में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति (आईओसी) ने मुंबई में आईओसी के 141वें सत्र के दौरान क्रिकेट को इन खेलों में शामिल करने की आधिकारिक पुष्टि की थी।

पोंटिंग ने कहा कि ओलंपिक पर दुनिया भर में अरबों लोगों की नजर रहती और यह खेल के लिए नए दर्शकों को आकर्षित करने और वैश्विक मंच पर अपना दबदबा कायम करने का सबसे अच्छा मौका है। उन्होंने कहा, ''ओलंपिक खेलों को दुनिया भर में इतने सारे लोगों द्वारा देखा जा रहा है, यह हमारे खेल को नये दर्शकों तक पहुंचायेगा। यह खेल के लिए वास्तव में सकारात्मक बात ही हो सकती है।''

एससी सांसदों को लामबंद करेंगे चिराग, आरक्षण पर शीर्ष अदालत के फैसले की समीक्षा की मांग की

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री एवं लोजपा (रामविलास) के प्रमुख चिराग पासवान समुदाय के भीतर आरक्षण के उप-वर्गीकरण की अनुमति देने के उच्चतम न्यायालय के फैसले के खिलाफ पुनर्विचार याचिका दायर करने से पहले समर्थन जुटाने के लिए विभिन्न दलों के अनुसूचित जाति के सांसदों की बैठक बुलाने की योजना बना रहे हैं। लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा) के नेता पहले ही फैसले से अपनी असहमति जता चुके हैं और कह चुके हैं कि उनकी पार्टी शीर्ष अदालत के समक्ष पुनर्विचार याचिका दायर करेगी।

सूत्रों ने कहा कि पासवान ने फैसले पर अनुसूचित जाति के सांसदों के विचार जानने के लिए उनसे संपर्क किया है। अदालत के इस फैसले का दूरगामी राजनीतिक प्रभाव पड़ सकता है। कई प्रमुख राष्ट्रीय दलों ने इस मसले पर चुप्पी साध रखी है। पासवान जल्द ही इस पर चर्चा के लिए अनुसूचित जाति के सांसदों की एक औपचारिक बैठक बुला सकते हैं। हालांकि, यह देखा जाना बाकी है कि विभिन्न दलों के अनुसूचित जाति के सांसदों की प्रतिक्रिया क्या होती है। इनमें से कई ने अपने निर्वाचन क्षेत्रों की स्थिति के आधार पर अलग-अलग रुख अपनाया है। पासवान या मायावती के नेतृत्व वाली बहुजन समाज पार्टी (बसपा) जैसी पार्टियां अदालत के इस फैसले के खिलाफ खुलकर सामने आ गई हैं।

महिला डॉक्टर से बलात्कार-हत्या:

बंगाल में तीसरे दिन भी काम बंद, अस्पताल की सेवाएं प्रभावित

कोलकाता/भाषा। कोलकाता के एक अस्पताल में महिला प्रशिक्षु चिकित्सक से बलात्कार और हत्या के दोषी को शीघ्र सजा देने की मांग को लेकर रविवार को तीसरे दिन भी विरोध प्रदर्शन जारी रहने से पश्चिम बंगाल में सरकारी अस्पतालों में सेवाएं प्रभावित हुईं।

विभिन्न सरकारी अस्पतालों में जूनियर डॉक्टर, स्वास्थ्यकर्मी और 'पोस्ट-ग्रेजुएट ट्रेनी' (पीजीटी) चिकित्सक भी चिकित्सा संस्थानों में सुरक्षा की मांग कर रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि रविवार को उनमें से कोई भी ड्यूटी पर नहीं आया, जिससे विभिन्न अस्पतालों में मरीजों को सेवा प्रदान करने में समस्याएं आ रही हैं। आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के अंदर बलात्कार और हत्या की शिकार हुई महिला चिकित्सक का शव शुक्रवार सुबह सेमिनार रूम में मिला। उसी दिन शाम से विरोध प्रदर्शन की शुरुआत हुई। शनिवार को एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया, जो अस्पताल परिसर में अक्सर आने वाला एक बाहरी व्यक्ति था। आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के एक प्रदर्शनकारी जूनियर डॉक्टर ने कहा, ''हम चाहते हैं कि राज्य सरकार हमारी मांगों को पूरा करे और दोषियों को जल्द से जल्द सजा मिलनी चाहिए। तब तक हमारा विरोध प्रदर्शन जारी रहेगा।'' उन्होंने कहा कि विशेष रूप से प्रशिक्षु चिकित्सा पेशेवरों की सुरक्षा को तत्काल और प्रभावी उपायों के साथ मजबूत किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, ''पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए सरकार को महत्वपूर्ण कदम उठाने चाहिए। यह घटना न केवल अस्पताल स्तर पर व्यवस्थागत विफलताओं का प्रतिबिंब है, बल्कि यह व्यापक सामाजिक मुद्दों की ओर भी इशारा करती है, जिन पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है।''

भाजपा ने जेपी नड्डा से महिला चिकित्सक की हत्या के मामले में सीबीआई जांच की मांग की

कोलकाता/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की पश्चिम बंगाल इकाई के प्रमुख सुकांत मजूमदार ने रविवार को केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा को पत्र लिखकर कोलकाता में राज्य सरकार के एक अस्पताल में महिला चिकित्सक के साथ बर्बर यौन उत्पीड़न और उसकी हत्या से संबंधित मामले की केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) से जांच कराने की मांग की है। उत्तर कोलकाता में स्थित आरजी कर राजकीय अस्पताल के सेमिनार कक्ष के अंदर शुक्रवार को स्नातकोत्तर महिला प्रशिक्षु चिकित्सक का शव मिला था। प्रारंभिक पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में पता चला कि हत्या से पहले उसका यौन उत्पीड़न किया गया। केंद्रीय शिक्षा राज्य मंत्री मजूमदार ने नड्डा को लिखे पत्र में कहा, निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करने के लिए सीबीआई से जांच कराने की मांग बढ़ रही है। अपराध की गंभीरता और त्वरित न्याय की आवश्यकता को देखते हुए, मैं आपसे अनुरोध करता हूं कि आप सीबीआई जांच की पैरवी करें और सुनिश्चित करें कि मामले में तेजी से कार्रवाई हो ताकि दोषियों को न्याय के कठघरे में लाया जा सके।

विनेश कम से कम रजत पदक की हकदार: गांगुली

कोलकाता/भाषा। भारत के पूर्व क्रिकेट कप्तान सौरव गांगुली ने रविवार को पहलवान विनेश फोगाट को अपना समर्थन देते हुए कहा कि वह पेरिस ओलंपिक में 50 किग्रा फ्रीस्टाइल फाइनल में जगह बनाने के बाद कम से कम रजत पदक की हकदार हैं। भारत की इस पहलवान को ओलंपिक महिला 50 किलोग्राम कुश्ती के फाइनल मुकाबले से पहले 100 ग्राम वजन अधिक होने के कारण अयोग्य करार दिया गया था। इससे विनेश का ओलंपिक चैम्पियन बनने का सपना टूट गया और उन्होंने संन्यास लेने की घोषणा कर दी। गांगुली ने यहां 'कोलकाता फूड फेस्टिवल' के इतर इस बारे में पूछे जाने पर कहा, '' मैं सटीक नियम नहीं जानता, लेकिन मै समझता हूं कि जब वह फाइनल में पहुंची तो उसने ठीक से क्वालीफाई किया होगा। जब आपने फाइनल में जगह बना ली तब आप स्वर्ण या रजत पदक ही जीतते है। उसे गलत तरीके से अयोग्य घोषित किया गया था या नहीं, मुझे नहीं पता, लेकिन वह कम से कम रजत पदक की हकदार है।''

सौरव गांगुली ने अस्पताल में चिकित्सक के साथ बलात्कार और हत्या की निंदा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने कोलकाता के एक अस्पताल में एक युवा चिकित्सक के साथ बलात्कार और हत्या की रविवार को निंदा की।

गांगुली ने एक कार्यक्रम के इतर पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि एक बेटी का पिता होने के नाते वह इस घटना से बहुत दुखी हैं। उन्होंने हालांकि, कहा कि पश्चिम बंगाल और भारत को सुरक्षित माना जाता है और किसी एक घटना के आधार पर पूरी व्यवस्था पर कोई फैसला नहीं किया जाना चाहिए। गांगुली ने कहा, यह एक जघन्य घटना है। इस तरह के अपराध के लिए कोई माफी नहीं हो सकती। उन्होंने कहा कि प्राधिकारियों को तत्काल कार्रवाई

करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि हालांकि ऐसी घटनाएं कहीं भी हो सकती हैं, लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि यह विशेष मामला एक अस्पताल के अंदर हुआ। पूर्व क्रिकेटर ने चिकित्सा प्रतिष्ठानों में मजबूत सुरक्षा उपायों का आह्वान किया। उत्तर कोलकाता में स्थित आरजी कर राजकीय अस्पताल के सेमिनार कक्ष के अंदर शुक्रवार को स्नातकोत्तर महिला प्रशिक्षु चिकित्सक का शव मिला था। प्रारंभिक पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में पता चला कि हत्या से पहले उसका यौन उत्पीड़न किया गया।

मालगाड़ी का इंजन और दो डब्बे पटरी से उतरे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

सोनभद्र/भाषा। उत्तर प्रदेश के सोनभद्र के शक्तिनगर में एक मालगाड़ी का इंजन और दो डब्बे पटरी से उतर गये।

रेलवे के सूत्रों ने बताया कि रविवार को पूर्वाह्न एनसीएल की खड़िया परियोजना से एक मालगाड़ी कोयला लेकर अनपरा तापीय परियोजना के लिए जा रही थी। रास्ते में शक्तिनगर के बांसी गांव के पास मालगाड़ी के दो डब्बे पटरी से उतर गये तथा उनके कारण इंजन भी पटरी से उतर गया। उन्होंने बताया कि यह घटना बिजली परियोजना के रेल पथ पर हुई जिससे उस पर आवागमन बाधित हो गया।

कोयला खदान से अनपरा पावर हाउस में कोयला आपूर्ति के लिए अलग से रेलवे लाइन बिछाई गई है जो केवल कोयला आपूर्ति के लिए विशेष मालगाड़ियों के संचालन के उपयोग में आती है।

अन्य अंतरराष्ट्रीय सितारों के साथ भारत में प्रतिस्पर्धा करना मेरा सपना: नीरज चोपड़ा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। स्टार भाला फेंक खिलाड़ी नीरज चोपड़ा को उम्मीद है कि पेरिस ओलंपिक में रजत पदक जीतने के बाद वह जल्द ही भारत में अन्य प्रमुख अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ियों के साथ प्रतिस्पर्धा करते दिखेंगे। नीरज ने पेरिस में 89.45 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता जबकि पाकिस्तान के अरशद नदीम ने 92.97 मीटर तक भाला फेंककर ओलंपिक रिकॉर्ड के साथ स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

ग्रेनेडा के एंडरसन पीटर्स 88.54 मीटर के थ्रो से तीसरे स्थान पर रहे। स्पर्धा में जूलियन वेबर, याकूब वाडलेच और जूलियस येगो जैसे कुछ शीर्ष खिलाड़ी भी प्रतिस्पर्धा कर रहे थे। नीरज ने 'ओलंपिक.कॉम' द्वारा प्रशंसकों के साथ आयोजित

एक बातचीत सत्र के दौरान कहा, ''भारत में अन्य अंतरराष्ट्रीय सितारों के साथ प्रतिस्पर्धा करना मेरा सपना है। उम्मीद है कि भारत में जल्द ही एक अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता होगी और मैं ऐसा कर पाऊंगा।'' टोक्यो में स्वर्ण के बाद पेरिस में रजत पदक के साथ लगातार दूसरा ओलंपिक पदक जीतने वाले नीरज ने कहा कि वह अपने खेल के कुछ क्षेत्रों पर काम करना चाहते हैं उन्होंने कहा, ''मैं अब एक नए सत्र में प्रवेश कर रहा हूं इसलिए मेरे पास ट्रेनिंग विधियों या तकनीक को बदलने के लिए इतना समय नहीं है। लेकिन मुझे कुछ क्षेत्रों में सुधार करने की उम्मीद है, खासकर भाला फेंकने की लाइन में।'' नीरज ने कहा, ''भाला फेंकने का सही कोण ताकि मुझे अपने थ्रो में अधिक शक्ति मिले। मैं निश्चित रूप से इस पर काम करूंगा।'' उन्होंने कहा कि पेरिस खेलों में शारीरिक रूप से सर्वश्रेष्ठ स्थिति में नहीं होने के बावजूद वह फाइनल में अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहते थे। उन्होंने कहा, ''शरीर काफी अच्छी स्थिति में नहीं था। लेकिन जब अरशद ने वह थ्रो किया...मैं अपना सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर पाया क्योंकि मेरे दिमाग में यह विचार था कि मुझे सर्वश्रेष्ठ थ्रो करना है क्योंकि प्रतिस्पर्धा पहले से ही बहुत कठिन हो गई थी।'' नीरज और नदीम की माताएं एक-दूसरे के बेटे पर स्नेह बरसाकर सोशल मीडिया पर छा गईं।

भविष्य में भारतीय फुटबॉल टीम का मुख्य कोच कोई भारतीय होना चाहिए : मार्केज

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय फुटबॉल टीम का मुख्य कोच बनना मनोलो मार्केज के लिए सपना सच होने जैसा है लेकिन रविवार को इस स्पेनिश खिलाड़ी ने कहा कि भविष्य में अगर कोई भारतीय ही राष्ट्रीय टीम को कोचिंग दे तो बेहतर होगा।

पिछले महीने अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने इगोर स्टिमक की जगह 55 वर्षीय मार्केज को तीन साल के लिए राष्ट्रीय पुरुष टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया था। मार्केज 2024-25 सत्र के दौरान एफसी गोवा के मुख्य कोच के तौर पर अपनी भूमिका जारी रखेंगे। वह क्लब और राष्ट्रीय टीम दोनों की ज़िम्मेदारियां संभालेंगे। इसके बाद वह 2025 से पूरी तरह से भारतीय टीम की कोचिंग की भूमिका संभाल लेंगे। भारत के मुख्य कोच के रूप में अपनी नियुक्ति के बाद पहली प्रेस कांफ्रेंस में मार्केज ने कहा, ''स्पेन के अलावा मैंने भारत में सबसे ज्यादा साल बिताए हैं। बहुत समय पहले मैंने सोचा था कि मैं राष्ट्रीय टीम का मुख्य कोच बनना चाहूंगा और अब मैं यहां हूं। यह सपना सच होने जैसा

है।'' मार्केज ने कहा, ''भविष्य में राष्ट्रीय टीम का कोच एक भारतीय होना चाहिए क्योंकि उसे (भारतीय) बेहतर तरीके से पता होगा कि देश कैसे काम करता है और वह देश के विभिन्न हिस्सों के लोगों को जानता है। इसलिए आने वाले वर्षों में भारतीय फुटबॉल का लक्ष्य यही होना चाहिए।'' वह 2020 से भारत में हैं। उन्होंने हैदराबाद एफसी के साथ तीन सत्र और एफसी गोवा के साथ एक सत्र (2023-24) बिताया है।

सुविचार

ख्वाब वो नहीं होते जो आप सोते वक्त देखते हैं, ख्वाब तो वो होते हैं जो आपको सोने नहीं देते।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

साफ नसीहत

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बांग्लादेश में अंतरिम सरकार की जिम्मेदारी संभाल चुके प्रो. मोहम्मद यूनुस को शुभकामनाएं देते हुए वहां के हिंदुओं और अन्य सभी अल्पसंख्यक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित करने संबंधी टिप्पणी कर इस पड़ोसी देश को साफ नसीहत दे दी है। अगर बांग्लादेशियों को शांति और विकास चाहिए तो हुड़दंग और उपद्रव को रोकना होगा। प्रधानमंत्री ने एक्स पर अपने आधिकारिक अकाउंट पर 'हिंदू' शब्द का प्रयोग किया, जो प्रशंसनीय है। कुछ कथित बुद्धिजीवी जरूर इस पर आपत्ति जताएंगे, लेकिन प्रधानमंत्री का यह कदम स्वागत-योग्य है। क्या बांग्लादेशी हिंदुओं के जीवन और गरिमा की रक्षा के लिए आवाज नहीं उठानी चाहिए? जब से बांग्लादेश में उपद्रव शुरू हुआ है, दुनियाभर में कितने लोगों ने वहां के हिंदुओं और अल्पसंख्यकों के लिए आवाजें उठाई हैं? विडंबना है कि जब कभी गाजा, अफगानिस्तान, सीरिया आदि में हालात बिगड़ते हैं (जो कि नहीं बिगड़ने चाहिएं) तो भारत में बॉलीवुड से लेकर बड़े-बड़े संस्थानों तक के 'बुद्धिजीवी' 'एक्स' पर दिन-रात पोस्ट करते हैं, सरकारों से सवाल पूछते हैं। वहीं, बांग्लादेशी हिंदुओं और अल्पसंख्यकों को लेकर तकरीबन सन्नाटा पसरा हुआ है। इस सन्नाटे को तोड़ा नरेंद्र मोदी ने और उन बांग्लादेशी हिंदुओं ने, जो ढाका व चटगांव समेत कई शहरों में सड़कों पर उतरे। पहले, बांग्लादेश में कई वर्षों में अल्पसंख्यकों के खिलाफ हिंसा की कोई एक-दो बड़ी घटनाएं होती थीं। अब हर साल हो रही हैं। दुर्गापूजा के दिनों में उनके साथ जो अप्रिय घटनाएं हुई थीं, उनकी तस्वीरें/वीडियो देखकर रोंगटे खड़े हो जाते हैं। अब वहां आंदोलन के नाम पर जिस तरह अराजकता और उत्पात का माहौल बनाया गया, उसके मद्देनजर हमें कुछ कड़े फैसले लेने के लिए तैयार रहना चाहिए।

बांग्लादेशी यह न भूलें कि उन्होंने जो आर्थिक विकास किया, उसके पीछे भारत का सहयोग है। जिस दिन भारत अपनी भृकुटी टेढ़ी कर लेगा, विकास का यह ग्राफ औंधे मुंह गिरते समय नहीं लगेगा। बांग्लादेश की आज़ादी के लिए भारतीय सैनिकों ने अपना लहू दिया था। साल 1971 में भारत ने वहां इसलिए सैन्य कार्रवाई की थी, क्योंकि पश्चिमी पाकिस्तान के फौजी नेतृत्व की ज्यादती से परेशान होकर बड़ी संख्या में लोग हमारे यहां शरण लेने आ गए थे। आज बांग्लादेश में लोग अपनी जान व इज्जत बचाने के लिए फिर सरहद पर आ रहे हैं। ऐसे में भारत अपने हितों की रक्षा के लिए सख्त कदम उठाने से पीछे नहीं हटेगा। मोहम्मद यूनुस को यह संदेश भेज देना चाहिए कि वे अपने सेना प्रमुख को आदेश दें कि पूरे बांग्लादेश में शांति स्थापना सुनिश्चित करें, चूंकि अब मामला बर्दाश्त से बाहर होता जा रहा है। अगर सेना प्रमुख यह ठान लें कि उपद्रवियों पर शिकंजा कसना है तो एक दिन में शांति स्थापित हो सकती है। उपद्रवी के पत्थर से ज्यादा ताकत सैनिक की बंदूक में होती है। बांग्लादेश में जो लोग आरक्षण का विरोध कर रहे थे, उच्चतम न्यायालय ने उनकी बात मान ली। वे शेख हसीना का इस्तीफा मांग रहे थे, वह हो चुका है। उन्होंने मुख्य न्यायाधीश का इस्तीफा मांगा, वे भी अपने घर चले गए। अब अल्पसंख्यकों के घरों को लूट रहे हैं, तोड़फोड़ मचा रहे हैं, उनकी बेटियों की गरिमा को ठेस पहुंचा रहे हैं तो यह मर्यादा का खुला उल्लंघन है। बांग्लादेशी सेना इस हुड़दंग को रोकने में समर्थ है, लिहाजा उसे फुर्ती दिखानी चाहिए। उपद्रवियों के खिलाफ कार्रवाई करने में यह सुस्ती क्यों? बांग्लादेशी हिंदुओं तथा अल्पसंख्यकों को अपने हक के लिए खुद आवाज उठानी चाहिए। अगर आप खुद अपनी आवाज नहीं उठाएंगे तो कोई दूसरा क्यों उठाएगा?

ट्वीटर टॉक

यह हास्यास्पद है कि राज्य की भाजपा सरकार ने 2047 तक राज्य के प्रत्येक व्यक्ति को बीमित करने का लक्ष्य रखा है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सरकार के सामने लाए गए आंकड़ों में प्रदेश के केवल 8 से 10% लोगों द्वारा ही स्वास्थ्य बीमा के दायरे में बताया गया है।

-अशोक गहलोत

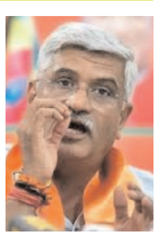

जम्मू-कश्मीर में आतंकियों को मुंहतोड़ जवाब देते हुए हमारे दो जवान वीरगति को प्राप्त हुए हैं। मैं दोनों बलिदानियों को हाथ जोड़कर नमन करते हुए अपने श्रद्धासुमन अर्पित करता हूँ। परिवारजनों के प्रति असीम कृतज्ञता का भाव है। घायल जवानों को शीघ्र स्वस्थता प्राप्त हो।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

भरतपुर जिले के बयाना थाना क्षेत्र में बाणगंगा नदी में डूबने से सात युवकों की मौत बेहद दुखदायी है। आकस्मिक मृत्यु से पूरा गाँव गमगीन है। शोक की इस घड़ी में मृतकों के परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं हैं।

-दीया कुमारी

प्रेरक प्रसंग

अनूठा नामकरण संस्कार

एक बार की बात है, राजा महेंद्र प्रताप ने वृंदावन में एक यज्ञ के आयोजन का मन बनाया। राजा ने अपने सभी मित्रों, नाते-रिश्तेदारों को कार्यक्रम में शामिल होने का निमंत्रण भेजा। कहा गया कि वे अपने पुत्र के नामकरण संस्कार में इस यज्ञ में सम्मिलित होने के लिए निमंत्रित कर रहे हैं। निमंत्रण पत्र पर आचार्य के रूप में महामना मदनमोहन मालवीय के उपस्थित होने की बात कही गई थी। नामकरण समारोह में शामिल होने के लिए नियत तिथि पर सभी अतिथिगण यज्ञ स्थान पर पहुंचे। सभी हैरान थे, क्योंकि उस समय तक राजा को पुत्र रत्न की प्राप्ति नहीं हुई थी। तब फिर नामकरण किसका किया जाएगा। सभी जानने को उत्सुक थे। अतिथियों ने अपना आसन ग्रहण किया। तदुपरांत समारोह में उपस्थित मालवीय जी अपने आसन से उठे और उन्होंने घोषणा की, 'राजा साहब ने पुत्र के रूप में एक विद्यालय को जन्म दिया है, आज उसी का नामकरण किया जाना है।' यह सुनते ही सारा वातावरण तालियों से गूंज उठा। वृंदावन स्थित इस विद्यालय का नाम प्रेम महाविद्यालय रखा गया।

सामयिक

ग्रामीण क्षेत्रों में समृद्ध पुस्तकालयों का इंतजार

डॉ. प्रितम भि. गेडाम

मोबाइल : 82374 17041

संपन्न पुस्तकालय समृद्ध समाज व्यवस्था और विकसित राष्ट्र की पहचान होते है। शिक्षा का केंद्र बिंदु और प्रेरणा का स्त्रोत पुस्तकें ही होती है, आवश्यक संसाधनों की उपलब्धता और कुशल कर्मचारी वर्ग उत्कृष्ट सेवा सुविधाओं द्वारा पुस्तकालयों को उन्नत बनाते है। पुस्तकालयों का महत्व केवल ज्ञानी ही समझ सकते है, विश्व में विकसित देशों के पुस्तकालय अपने पाठकों को अंतरराष्ट्रीय मानकोंनुसार सेवाएं प्रदान करते है, पाठकों को दुनियाभर का ज्ञान, अनुसंधान, दुर्लभ सूचनाएं, अद्ययावत जानकारी घर बैठे पुस्तकालय सदस्यता द्वारा इंटरनेट के बस एक क्लिक पर या अपने नजदीक के पुस्तकालय पर उपलब्ध होती है।

हमारा देश गांवों में बसता है, क्योंकि सबसे बड़ी आबादी ग्रामीण क्षेत्र में रहती है। शहरों में सुख-सुविधाओं के लिए शिक्षा संस्थान, मॉल, अस्पताल, कारखाने, उद्योग, होटल, यातायात संसाधन जैसे अनेक मौके होते हुए भी बहुत बार सामान्य मनुष्य का संघर्ष ख़त्म होने का नाम नहीं लेता। शहरों में भी लोगों को आवश्यकतानुसार पूर्ति नहीं होती है, फिर ऐसे समय में ग्रामीण क्षेत्रों के विकास की क्या हालत होती होगी, इसका हम अंदाजा भी नहीं लगा सकते। समस्या हर विभाग और क्षेत्र में है। ग्रामीण क्षेत्रों में विशेषत पिछड़े इलाकों में आज भी बिजली, पानी, पोषक अन्न, सड़क, स्कूल-कॉलेज, रोजगार और उन्नत जीवन के लिए आवश्यक संसाधनों और सुविधाओं की भारी कमी है। बहुत बार तो सरकारी योजनाएं भी इन जरुरतमंदो तक पहुंच नहीं पाती है। यहाँ के सामान्य नागरिकों का संघर्ष तो अधिक ही कष्टप्रद होता है। ऐसे में यहां जीवन उन्नति के मौके बहुत ही कम मिलते है। ऐसे परिस्थिति में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्राप्त करना मुश्किल होता है और इन हालातों में बेहतर पुस्तकालय का विकास केवल चमत्कार ही हो सकता है, क्योंकि दूर दराज की अधिकतर शासकीय विभाग और स्कूल-कॉलेज भी आधारभूत समस्याओं से जूझते नजर आते है। बहुत से स्कूल-कॉलेज की पुरानी इमारत खंडहरनुमा बन गई है, अनेक बार ऐसी जगह हादसे भी होने की घटनाएं देखने-सुनने को मिलती है। पिछड़े इलाकों में आज भी बच्चे नदी-नाले, जंगल, पहाड़, दलदलनुमा सड़क पार करके स्कूल जाते है, सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो भी वायरल होते है।

इसी विषय से संबंधित अपना एक अनुभव आप सभी को बताता हूँ, कुछ समय पहले एक पाठक 80 साल के बुजुर्ग ने मुझे कॉल किया था, वे बुलढाणा (महाराष्ट्र) के किसी ग्रामीण क्षेत्र में एक छोटा-सा पुस्तकालय संचालित करते है, वे खुद के केवल पेंशन के भरोसे उस पुस्तकालय में आज के महंगाई के जमाने में बड़ी मुश्किल से कुछ समाचार पत्र ही खरीद पाते है, निधि के अभाव में पुस्तकें चाहकर भी खरीद नहीं सकते, उन्हें किसी से कोई वित्तीय सहायता नहीं मिलती, राज्य सरकार से अनुदान के लिए उन्होंने बहुत प्रयास किये परंतु उन्हें सिर्फ निराशा ही मिली। उनके गांव के बच्चों को मज़बूरी में दूर तहसील के पुस्तकालयों में जाना पडता है, वहां भी बच्चों को पर्याप्त सुविधा नहीं मिलती है। उम्र के इस पड़ाव में वयोवृद्ध बुजुर्ग का समाज के लिए पुस्तकालय को जिवंत रखने के लिए निस्वार्थ मेहनत, सेवाभाव, संघर्ष हमें निशब्द कर देता है, वे अपनी समस्या मुझसे साझा करते हुए बेहद भावुक होकर रोने लगे और बोले कि मैं अपने जीते जी इस पुस्तकालय को समृद्ध नहीं कर पाया इसका बहुत दु:ख है, शायद उनके मृत्यु के पश्चात यह पुस्तकालय बंद हो जायेगा। यह हुई एक संघर्षमय पुस्तकालय की दम तोड़ती वास्तविकता, देश के ग्रामीण क्षेत्रों के अन्य पुस्तकालयों की दास्तान इससे कुछ अलग क्या होगी? गांवों, शहरों में अक्सर त्यौहार, रैली, सभाएं, मनोरंजन कार्यक्रम, प्रदर्शन, खेल, उद्घाटन, सरकारी योजनाओं के लिए बड़े-बड़े आयोजन किये जाते है, सरकार भी विज्ञापनों पर करोड़ों रुपया खर्च करती है, नेता, अभिनेता, सेलिब्रिटी इसके लिए हमेशा लोगों के बीच भेट देते है। परंतु पुस्तकालयों को समृद्ध करने के लिए ऐसे आयोजन देखने ही नहीं मिलते, ना ही समाज के दानदाता आगे आते, जबकि पुस्तकालय सबसे ज्यादा जरूरी है।

ग्रामीण समाज के उत्थान के लिए पुस्तकालय की समृद्धि बेहद आवश्यक है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक नागरिक के सामाजिक, आर्थिक, कृषि, व्यावसायिक विकास के लिए आवश्यक जानकारी सही समय पर प्रदान करना जरूरी है। पुस्तकालय सूचना केंद्र ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय पुनरुद्धार मुद्दों में सहायता, सरकारी योजना-परियोजनाएँ, ग्रामीण स्वास्थ्य विषय, धन स्रोत, तकनीकी सहायता कार्यक्रम, अनुसंधान अध्ययन, सामुदायिक विकास परियोजनाओं की सफल रणनीतियाँ, मॉडल और केस अध्ययन, लघु व्यवसाय आकर्षण, आवास कार्यक्रम सेवाएँ, पर्यटन संवर्धन और विकास, सतत समुदाय और ऊर्जा कार्यक्रम, मौसम, सामुदायिक जल गुणवत्ता जैसे आवश्यक विषयों पर मदद करता है, उपयोगकर्ताओं को विशिष्ट क्षेत्र के संगठनों या विशेषज्ञों की ओर संदर्भित करता है।

देश के बड़े-बड़े निजी शिक्षा संस्थान, भारत सरकार द्वारा संचालित केंद्र, आयआयटी, आयआयएम, विश्वविद्यालय, शहरों के नामचीन स्कूल-कॉलेज के पुस्तकालय तो विकसित और समय अनुसार उन्नत नजर आते है, लेकिन बाकि जगह पुस्तकालयों की हालत बहुत दयनीय है। शहरों में आबादी तेजी से बढ़ रही है, उनके लिए स्कूल-कॉलेज, बाजार, दुकानें, रास्ते, बस स्टॉप, कॉलोनी सब नये-नये बन रहे है, केवल आबादी की जरुरत के हिसाब से नए पुस्तकालय स्थापित नहीं हो रहे है। विकसित पुस्तकालय बगैर गुणवत्तापूर्ण शिक्षा कोरी कल्पना है, जबकि देश का आनेवाला उज्वल भविष्य बेहतर शिक्षा, संस्कार, कलाकौशल पर टिका है, अर्थात विकसित पुस्तकालय मजबूत शिक्षा की आधारशिला है।

संस्कृति मंत्रालय (राजा राम मोहन रॉय लाइब्रेरी फाउंडेशन) अनुसार, देश में 54,856 सार्वजनिक पुस्तकालय हैं, लेकिन उनमें से केवल एक छोटा सा हिस्सा ही अंतरराष्ट्रीय मानकों को पूरा करता है। इंटरनेशनल फेडरेशन ऑफ लाइब्रेरी एसोसिएशन मानक के अनुसार, प्रत्येक 3,000 लोगों पर एक सार्वजनिक पुस्तकालय होना चाहिए। आबादी के हिसाब से हमारे पास 4,41,390 सार्वजनिक पुस्तकालय होने चाहिए। देश में 36,000 लोगों पर एक सार्वजनिक पुस्तकालय है। पुस्तकालय विशेषज्ञोंनुसार केवल 20 प्रतिशत आबादी को हमारी सार्वजनिक पुस्तकालय प्रणाली द्वारा सेवा प्रदान की जाती है। अमेरिका में, सार्वजनिक पुस्तकालय प्रणाली कुल जनसंख्या के 95.67 को सेवा प्रदान करती है और प्रति व्यक्ति लगभग 2,493 रुपये खर्च करती है। हमारे देश के केवल 9 प्रतिशत गांवों में सार्वजनिक पुस्तकालय हैं, उपलब्ध रिकॉर्ड के अनुसार सार्वजनिक पुस्तकालयों पर सरकार का औसत प्रति व्यक्ति खर्च केवल 0.07 रुपये है और यह अलग-अलग राज्यों में अलग-अलग है।

ग्रामीण समाज के उत्थान के लिए पुस्तकालय की समृद्धि बेहद आवश्यक है। ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक नागरिक के सामाजिक, आर्थिक, कृषि, व्यावसायिक विकास के लिए आवश्यक जानकारी सही समय पर प्रदान करना जरूरी है। पुस्तकालय सूचना केंद्र ग्रामीण क्षेत्रों में वित्तीय पुनरुद्धार मुद्दों में सहायता, सरकारी योजना-परियोजनाएँ, ग्रामीण स्वास्थ्य विषय, धन स्रोत, तकनीकी सहायता कार्यक्रम, अनुसंधान अध्ययन, सामुदायिक विकास परियोजनाओं की सफल रणनीतियाँ, मॉडल और केस अध्ययन, लघु व्यवसाय आकर्षण, आवास कार्यक्रम सेवाएँ, पर्यटन संवर्धन और विकास, सतत समुदाय और ऊर्जा कार्यक्रम, मौसम, सामुदायिक जल गुणवत्ता जैसे आवश्यक विषयों पर मदद करता है, उपयोगकर्ताओं को विशिष्ट क्षेत्र के संगठनों या विशेषज्ञों की ओर संदर्भित करता है। इंटरनेट द्वारा संबंधित वेबसाइटों और सोशल मीडिया के माध्यम से ग्रामीण सूचना, उत्पादों, नए स्टार्टअप, और सेवाओं तक पहुंच प्रदान करता है। यह सभी सेवाएं अमेरिका में सूचना केन्द्रों द्वारा वहां के ग्रामीण समुदाय को प्रदान की जाती है।

समाज में नई पुस्तकालयों की स्थापना एवं उनमें अत्याधुनिक सेवा सुविधा, प्रत्येक स्कूल में पुस्तकालय, राज्य व केंद्र सरकार के प्रत्येक विभाग में पुस्तकालय, प्रत्येक कॉर्पोरेट ऑफिस में पुस्तकालय, प्रत्येक गांव, प्रत्येक कस्बों-बस्तियों में समृद्ध पुस्तकालय आज अत्यावश्यक है। देश में सशक्त शिक्षा प्रणाली के लिए समृद्ध पुस्तकालय अति आवश्यक है, बरसों तक पुस्तकालयों में कुशल कर्मचारियों की भर्ती न होना, उनके वेतनवृद्धि में सुधार न होना, पुस्तकालय में हर साल आवश्यक साधन सामग्री के लिए निधि का अभाव, संबंधित वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा पुस्तकालयों के विकास की ओर उदासीनता, पुस्तकालयों के महत्व में दूरदर्शिता की कमी ने देश में पुस्तकालय विकास को कमजोर कर दिया है। भले ही केंद्र सरकार, राज्य सरकार, स्थानीय प्रशासन द्वारा पुस्तकालय संचालन हेतु कार्य किये जाते है लेकिन देश की आबादी और अंतरराष्ट्रीय मानकों अनुसार वह बेहद कम है। ग्रामीण क्षेत्र में विकसित पुस्तकालय समृद्ध भारत की पहचान बन सकती है।

नजरिया

वक्फ बोर्ड की आड़ में जमीन कब्जाने वालों पर शिकंजा कसने की तैयारी

संजय सक्सेना

मोबाइल : 9454105568

वक्फ और वक्फ की संपत्तियों को लेकर हिंदुस्तान में अक्सर सही-गलत चर्चा होती रहती है। हममें से अधिकांश लोगों ने वक्फ का नाम तो सुना है, लेकिन वह इसके बारे में बहुत कुछ जानते नहीं हैं। वक्फ होता क्या है। किसी मस्जिद या दूसरे धर्मस्थल के वक्फ होने का मतलब क्या है? और क्या मोदी सरकार द्वारा वक्फ बोर्ड के संविधान में तब्दीली की कोशिशों का असर मुस्लिम धर्मस्थलों के स्टेटस पर पड़ सकता है? चूंकि भारत में रेलवे और रक्षा मंत्रालय के बाद सबसे बड़ा भूस्वामी वक्फ बोर्ड ही है। इसलिए हम इन सारे सवालों का जवाब जानने की कोशिश करेंगे। सबसे पहले यह जान लेना जरूरी है कि भारत में इस्लाम की आमद के साथ वक्फ के उदाहरण मिलने लगे थे। दिल्ली सल्तनत के वक्त से वक्फ संपत्तियों का लिखित जिक्र मिलने लगता है। मुगल शासन काल में क्योंकि ज्यादातर संपत्ति राजा महाराजाओं के पास ही होती थी, इसीलिए प्रायः वही वाकिफ होते, और वक्फ कायम करते जाते। जैसे कई बादशाहों ने मस्जिदें बनवाईं, वो सारी वक्फ हुईं और उनके प्रबंधन के लिए स्थानीय स्तर पर ही इंतजामिया कमेटियां बनती रहीं।

इसके पश्चात 1947 में आजादी के बाद पूरे देश में पसरी वक्फ संपत्तियों के लिए एक स्ट्रक्चर बनाने की बात उठने लगी। इस तरह 1954 में संसद ने वक्फ एक्ट 1954 पास किया। इसी के नतीजे में वक्फ बोर्ड बना। ये एक ट्रस्ट था, जिसके तहत सारी वक्फ संपत्तियां आ गईं। 1955 में यानी कानून लागू होने के एक साल बाद, इस कानून में संशोधन कर राज्यों के लेवल पर वक्फ बोर्ड बनाने का प्रावधान किया गया। इसके बाद साल 1995 में नया वक्फ बोर्ड एक्ट आया। 2013 में मनमोहन सरकार के समय इसमें कई संशोधन करके इसे पूरी तरह से तानाशाही रूप दे दिया गया। फिलहाल जो व्यवस्था है, वो इन्हीं कानूनों और संशोधनों के तहत चल रही है, इसमें सबसे खतरनाक संशोधन यह था कि वक्फ बोर्ड जिस किसी सम्पति को अपना बता दे तो फिर वह उसकी बिना किसी जांच पड़ताल के हो जाती है और जिसकी सम्पति छीनी जाती है,वह कोर्ट या पुलिस के पास भी अपनी फरियाद लेकर नहीं जा सकता है। प्रायः मुस्लिम धर्मस्थल वक्फ बोर्ड एक्ट के तहत ही आते हैं।

लेकिन इसके अपवाद भी हैं। जैसे ये कानून अजमेर शरीफ दरगाह पर लागू नहीं होता। इस दरगाह के प्रबंधन के लिए दरगाह ख्वाजा साहिब एक्ट 1955 बना हुआ है।

वक्फ बोर्ड को मिली असीमित शक्तियों पर अंकुश लगाने और बेहतर प्रबंधन व पारदर्शिता के लिए मोदी सरकार ने आठ अगस्त 2024 को लोकसभा में दो विधेयक पेश किये। पहले विधेयक के जरिये सरकार मुसलमान वक्फ अधिनियम 1923 को समाप्त करने को कटिबद्ध लगती है, जबकि दूसरे से मुसलमान वक्फ अधिनियम 1995 में 44 संशोधन किए जाएंगे। सरकार इस विधेयक में बोहरा-आगाखानी के लिए अलग वक्फ बोर्ड का प्रावधान करेगी और किसी की संपत्ति को वक्फ की संपत्ति घोषित करने के अधिकार से संबंधित धारा 40 को समाप्त कर देगी।

मोदी सरकार ने वक्फ बोर्ड संशोधन विधेयक संसद में पेश करने से एक दिन पहले कहा कि विधेयक लाने का उद्देश्य वक्फ संपत्तियों का बेहतर प्रबंधन और संचालन करना है। विधेयक पेश किए जाने के बाद सरकार ने इसे व्यापक विमर्श और सर्वसम्मति के लिए प्रवर समिति को भेज दिया है। दूसरे विधेयक में वक्फ अधिनियम 1995 का नाम बदलकर एकीकृत वक्फ प्रबंधन, सशक्तिकरण, दक्षता विकास अधिनियम करने का प्रावधान है। इसमें वक्फ बोर्डों के केंद्रीय परिषद और ट्रिब्यूनल की संरचना में व्यापक बदलाव लाने का भी प्रावधान है। मसलन केंद्रीय परिषद और राज्य वक्फ बोर्ड में दो महिलाओं का प्रतिनिधित्व अनिवार्य बनाया जाएगा। इसके अलावा कानून में संशोधन के बाद अब वक्फ ट्रिब्यूनल के आदेश को 90 दिन के अंदर हाईकोर्ट में चुनौती दी जा सकेगी। वक्फ संपत्तियों के सर्वेक्षण के लिए सर्वे कमिश्नर का अधिकार अब जिला कलेक्टर या उसके की ओर से नामित डिप्टी कलेक्टर के पास होगा।

विधेयक की खास बातों पर नजर डाली जाए तो मोदी सरकार वक्फ अधिनियम, 1923 को वापस लेगी। पारदर्शिता, बेहतर प्रबंधन और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए 44 संशोधन किये जायेंगे। जिसके द्वारा आगाखानी व बोहरा वक्फ को परिभाषित किया जाएगा। पांच साल तक मुस्लिम धर्म का पालन करने वालों की संपत्ति वक्फ हासिल कर सकेगा। वक्फ के धन से विधवा, तलाकशुदा व अनाथों के कल्याण के लिए सरकार के सुझाए तरीके से काम करने होंगे। संपत्ति वक्फ को देने के दौरान उत्तराधिकारियों और महिलाओं के अधिकार नहीं छीने जा सकेंगे। वहीं रजिस्टर्ड वक्फ संपत्तियों को 6 माह में पोर्टल पर डालना होगा। वक्फ संपत्तियों से मिलने वाले भू राजस्व, सेस, उसका रेट, कर, आय, कोर्ट मामले की जानकारी भी बतानी होगी।सरकारी संपत्ति को वक्फ अपनी संपत्ति घोषित नहीं कर पाएगा

वक्फ बोर्ड में जो बदलाव होंगे उसके अनुसार मुसलमान वक्फ कानून 1923 खत्म होगा। वक्फ अधिनियम होगा एकीकृत वक्फ प्रबंधन कानून, धारा 40 होगी खत्म, जिससे किसी की संपत्ति को वक्फ की संपत्ति घोषित करने का अधिकार मिल जाता है। दरअसल, केंद्र की मोदी सरकार यूपीए-2 में मनमोहन सिंह सरकार ने 2013 में वक्फ अधिनियम में संशोधन कर वक्फ बोर्ड को किसी की भी संपत्ति को अपनी संपत्ति घोषित करने और वक्फ बोर्ड के निर्णयों को किसी भी कोर्ट में चुनौती देने का अधिकार खत्म करने जैसे बदलाव किए गए थे।

सरकारी सूत्रों के अनुसार तब से मुस्लिम समाज से जुड़े व्यक्तियों व संगठनों की करीब 60 हजार शिकायतें सरकार के पास लंबित हैं। इन सभी शिकायतों में वक्फ बोर्ड में भारी अनियमितता व जबरन संपत्ति पर कब्जा जैसी समान बातें थीं। संशोधन विधेयक में वक्फ परिषद में भी बदलाव का प्रावधान है। मसलन परिषद के अध्यक्ष अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री होंगे। तीन सांसद, मुसलमानों के तीन प्रतिनिधि, मुस्लिम कानून के तीन जानकार, सुप्रीम कोर्ट या हाई कोर्ट के दो पूर्व जज, एक वरिष्ठ वकील, देश की चार नामचीन हस्तियां व केंद्र सरकार के अतिरिक्त या संयुक्त स्तर के अधिकारी व दो महिलाएं इसकी सदस्य होंगी।

उधर, विपक्षी दलों ने बिल पेश होने से पहले ही सरकार से आग्रह किया कि वक्फ (संशोधन) विधेयक को पेश किये जाने के बाद इस पर विचार करने के लिए संसद की स्थायी समिति को भेजा जाए। वहीं सरकार ने कहा कि कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) की भावना का आकलन करने के बाद वह इस पर फैसला करेगी। इसी क्रम में मोदी सरकार ने बहुचर्चित वक्फ अधिनियम में संशोधन वाला विधेयक लोकसभा में पेश करने के बाद विपक्ष की मांग पर ध्यान देते हुए उसे संयुक्त संसदीय समिति के पास भेजने का जो फैसला लिया, वह इस दृष्टि से सही कदम है, क्योंकि इस समिति में उस पर विस्तार से और संभवतः दलगत राजनीति से ऊपर उठकर विचार हो सकेगा। इससे सबसे बड़ा लाभ यह होगा कि विपक्ष के पास यह बहाना नहीं रह जाएगा कि सरकार ने एक महत्वपूर्ण विधेयक बिना बहस आनन-फानन पारित करा लिया और उसकी कोई बात नहीं सुनी गई।

ध्यान रहे कि मोदी सरकार के पहले और दूसरे कार्यकाल में अनेक विधेयकों के संसद से पारित होने और उनके कानून में परिवर्तित हो जाने के बाद विपक्ष ने यह माहौल बनाया कि उन पर संसद में चर्चा नहीं होने दी गई। ऐसे कुछ कानूनों को लेकर जनता को बरगलाने का भी काम किया गया। इसकी अनदेखी नहीं की जा सकती कि नागरिकता संशोधन कानून यानी सीएए और फिर कृषि संबंधी तीन कानूनों को लेकर विपक्ष ने अपने संकीर्ण राजनीतिक हितों के लिए किस तरह जनता को गुमराह किया। देखना है कि शीघ्र गठित होने वाली संयुक्त संसदीय समिति वक्फ संशोधन अधिनियम पर किस तरह विचार करती है और वह कोई आम सहमति कायम कर पाती है या नहीं? यह अब यक्ष प्रश्न होगा।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– दक्षिण भारत राष्ट्रमत

नटवर सिंह : अनेक पदों पर सेवाएं देने वाले ऐसे शख्स जिनकी हाजिर जवाबी, साफगोई ने उन्हें लोकप्रिय बनाया

नई दिल्ली/भाषा। के. नटवर सिंह ऐसे शख्स थे, जिन्होंने कूटनीति और राजनीति के क्षेत्र में तो एक खास पहचान बनाई ही, लेकिन जब लेखन के क्षेत्र में उन्होंने हाथ आजमाए, तो वहां भी उन्हें काफी प्रशंसा मिली। इन खूबियों के अलावा उनके व्यक्तित्व की जिन खासियत ने उन्हें दशकों तक लोकप्रिय बनाए रखा, वह थी उनकी हाजिर जवाबी और साफगोई।

नटवर सिंह की गिनती कांग्रेस के कद्दावर नेताओं में होती थी, लेकिन उनके पार्टी के शीर्ष नेताओं के साथ कभी बेहद घनिष्ट तो कभी बेहद तल्खी भरे रिश्ते रहे। उन्हें पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और फिर उनके बेटे राजीव गांधी का बेहद खास या करीबी माना जाता था, लेकिन संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के पहले कार्यकाल में उनके ऊपर कुछ आरोप लगे, जिसके बाद सोनिया गांधी के साथ पहले उनका मनमुटाव हुआ और फिर धीरे-धीरे रिश्ते तल्ख होते चले गए।

पूर्व विदेश मंत्री नटवर सिंह का शनिवार देर रात निधन हो गया। वह 93 वर्ष के थे। उनके परिवार से जुड़े एक सूत्र ने बताया कि नटवर सिंह पिछले कुछ हफ्तों से गुरुग्राम के मेदांता अस्पताल में भर्ती थे और शनिवार रात को उन्होंने अंतिम सांस ली।

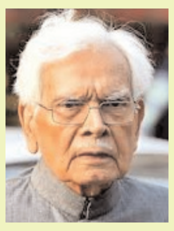

नटवर सिंह का जन्म 1931 में राजस्थान के भरतपुर जिले में हुआ था। वह 'कैरियर डिप्लोमैट' थे, लिहाजा जब वह राजनीति में आए तो उनके पास कूटनीतिक मामलों की समझ, पकड़ और अनुभवों की थाती भी साथ थी।

नटवर सिंह 1953 में भारतीय विदेश सेवा के लिए चुने गए, लेकिन 1984 में उन्होंने कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ने के लिए इस्तीफा दे दिया। उन्होंने चुनाव जीता और 1989 तक केंद्रीय राज्य मंत्री के रूप में सेवाएं दीं।जब 2004 में कांग्रेस सत्ता में आई, तो नटवर सिंह को विदेश मंत्री बनाया गया। इस दौरान, वह एक प्रकार से राजनीति के क्षेत्र में खुलकर सामने आए। हालांकि, 18 महीने बाद उन्हें पद से इस्तीफा देना पड़ा, क्योंकि संयुक्त राष्ट्र की वोल्कर समिति ने उन्हें और कांग्रेस पार्टी, दोनों को इराकी तेल घोटाले में अवैध भुगतान के लाभार्थियों के रूप में नामित किया था।

नटवर सिंह को कई युवा राजनयिक आदर्श मानते हैं और कई ने कूटनीति के क्षेत्र में शानदार मुकाम हासिल भी किया है।

नटवर सिंह ने चीन, अमेरिका, पाकिस्तान और ब्रिटेन जैसे देशों में महत्वपूर्ण पदों पर सेवाएं दीं। उन्हें 1983 में नई दिल्ली में आयोजित सातवें गुटनिरपेक्ष शिखर सम्मेलन का महासचिव और उसी वर्ष यहां आयोजित राष्ट्रमंडल शासनाध्यक्षों की बैठक का मुख्य समन्वयक भी नियुक्त किया गया था।

नटवर सिंह ने मार्च 1982 से नवंबर 1984 तक विदेश मंत्रालय में सचिव के रूप में कार्य किया। उन्हें 1984 में देश के तीसरे सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म भूषण से सम्मानित किया गया। इसके बाद 1984 में वह कांग्रेस में शामिल हो गए और राजस्थान के भरतपुर से लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए। नटवर सिंह को 1985 में राज्य मंत्री के रूप में शपथ दिलाई गई और उन्हें इस्पात, कोयला एवं खान तथा कृषि मंत्रालय का कार्यभार सौंपा गया। 1986 में उन्होंने विदेश राज्य मंत्री का पद संभाला।

वह कुछ वक्त तक पार्टी से दूर रहे, लेकिन जब सोनिया गांधी ने कांग्रेस की कमान थामी तो वह पार्टी में वापस आ गए।

तिरंगा यात्रा

भुज में रविवार को 77वें स्वतंत्रता दिवस से पहले लोग 300 मीटर के राष्ट्रीय ध्वज के साथ तिरंगा यात्रा में भाग लेते हुए।

प्रदर्शन

कोलकाता में रविवार को आर जी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के जूनियर डॉक्टर एक महिला स्नातकोत्तर प्रशिक्षु डॉक्टर के कथित यौन उत्पीड़न और हत्या के खिलाफ विरोध प्रदर्शन करते हुए।

ट्रंप के प्रचार की कमान संभाल रही टीम ने ई-मेल हैक किए जाने का दावा किया

वाशिंगटन। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के राष्ट्रपति चुनाव प्रचार अभियान की कमान संभाल रही टीम ने शनिवार को कहा कि उनके ई-मेल हैक किए गए हैं। टीम ने दावा किया कि ईरान के लोग इन संवेदनशील आंतरिक दस्तावेज चुराने और उनके प्रसार में शामिल हैं।

हालांकि, प्रचार अभियान की कमान संभालने वाली टीम ने ईरान की संलिप्तता को लेकर सीधे कोई सबूत नहीं दिया, लेकिन उसका यह दावा माइक्रोसॉफ्ट द्वारा एक रिपोर्ट जारी किए जाने के बाद आया है। इस रिपोर्ट में 2024 में अमेरिकी अभियान में हस्तक्षेप करने के विदेशी एजेंटों के प्रयासों का विवरण दिया गया है।

ट्रम्प के चुनाव प्रचार अभियान के प्रवक्ता स्टीवन चेउंग ने हैकिंग के लिए ''अमेरिका के प्रति शत्रुता रखने वाले विदेशी स्रोतों'' को जिम्मेदार करार दिया है।

राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद के एक प्रवक्ता ने एक बयान में कहा कि उसने (परिषद) अनुचित विदेशी हस्तक्षेप की रिपोर्ट को ''बेहद गंभीरता से'' लिया है और वह अमेरिकी लोकतांत्रिक संस्थानों में विश्वास को कम करने का प्रयास करने वाली सरकार या संस्था की निंदा करती है। लेकिन इसके साथ ही प्रवक्ता ने कहा कि इस मामले को न्याय विभाग पर छोड़ दिया गया है।

संयुक्त राष्ट्र में ईरान के मिशन से जब ट्रंप के प्रचार अभियान के दावे के बारे में पूछा गया तो उसने इसमें शामिल होने से इनकार कर दिया । मिशन ने बताया, ''हम ऐसी रिपोर्टों पर कोई भरोसा नहीं करते।'' मिशन ने कहा, ''ईरानी सरकार के पास न तो अमेरिका के राष्ट्रपति चुनाव में हस्तक्षेप करने का कोई इरादा या मकसद है और न ही वह ऐसा करती है।''

'सेवा के विचार' के साथ भारत लौटा हूं, ये भाजपा पर है कि पार्टी मुझे चुनाव लड़ाए या नहीं: शौर्य डोभाल

नई दिल्ली/भाषा। भाजपा नेता शौर्य डोभाल ने कहा है कि उन्होंने कभी चुनाव लड़ने की इच्छा नहीं जताई है, लेकिन अगर पार्टी उन्हें चुनाव मैदान में उतारने का फैसला करती है तो वह इसके लिए तैयार हैं। बैंकर से राजनेता बने डोभाल ने कहा कि वह 'सेवा के विचार' के साथ 2009 में ब्रिटेन से भारत वापस आए और अपने संगठन 'इंडिया फाउंडेशन' की स्थापना की।

यह पूछे जाने पर कि क्या उन्हें इसलिए चुनावी राजनीति में मौका नहीं मिला क्योंकि उनके पिता अजीत डोभाल राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार हैं, उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा कि ''शायद यह मेरे पिता की वजह से हो सकता है, लेकिन जाहिर है कि मुझे टिकट नहीं मिला और इसीलिए मैंने चुनाव नहीं लड़ा है।''

यहां समाचार एजेंसी के मुख्यालय में 'पीटीआई' संपादकों के साथ बातचीत में भाजपा की उत्तराखंड राज्य कार्यकारी समिति के सदस्य डोभाल ने कहा कि उन्होंने कभी भी चुनाव लड़ने के लिए पार्टी से टिकट नहीं मांगा।

चुनावी लड़ने से जुड़े एक सवाल पर शौर्य डोभाल ने कहा, ''जब मैं इस क्षेत्र में आया था, तो मैं राजनीति के नजरिये से नहीं आया था।

महोत्सव

हरिद्वार में रविवार को दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा हरिद्वार में मुल्तान महोत्सव में भाग लेते हुए।

'कौन बनेगा करोड़पति' सपनों और आकांक्षाओं की एक साझा यात्रा : अमिताभ बच्चन

मुंबई/एजेन्सी

रियलिटी क्विज टेलीविजन शो 'कौन बनेगा करोड़पति का 16वां सीजन जल्द शुरू होने वाला है। दिग्गज बॉलीवुड मेगास्टार अमिताभ बच्चन इस शो की मेजबानी करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। 'कौन बनेगा करोड़पति 16' का प्रीमियर 12 अगस्त को होगा। इसमें प्रतियोगी को पुरस्कार राशि हासिल करने के लिए अपने ज्ञान और बुद्धि की कुशलता को साबित करना होगा। इस बार शो को और रोचक बनाया गया है। इस सीजन में 'सुपर सवाल' नाम से एक नया सेगमेंट शामिल किया जाएगा।

यह नया स्पेशल सेगमेंट केबीसी में पांचवें प्रश्न के बाद आएगा। यह प्रतियोगियों को बिना 'लाइफ-लाइन' विकल्प के अपनी पुरस्कार राशि को दोगुना करने की अनुमति देगा, जिससे खेल में एक उच्च जोखिम वाला मोड़ जुड़ जाएगा। शो के बारे में बात करते हुए, बिग बी ने एक बयान में कहा, 'कौन बनेगा करोड़पति' (केबीसी) एक गेम शो से कहीं अधिक है। यह सपनों और आकांक्षाओं की एक साझा यात्रा है, जिसमें लाखों दर्शक हॉट सीट पर बैठे प्रतियोगियों का समर्थन करते हैं। केबीसी की मेजबानी मुझे अपने प्रशंसकों से जोड़े रखती है, जिन्हें मैं अपना परिवार मानता हूं। उन्होंने आगे कहा कि जीवन के सभी क्षेत्रों के प्रतियोगियों से मिलना, जिनमें से प्रत्येक के पास कठिनाइयों से भरी हुई अनूठी कहानियां हैं। वो फिर भी हमेशा मुस्कुराते हैं और बड़े सपने देखते हैं। यह मुझे गहराई से प्रभावित और प्रेरित करता है।

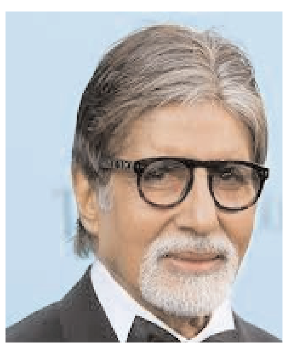

उन्होंने कहा, सीजन 16 आधुनिक भारत की भावना को दर्शाता है, ज्ञान को एक स्तर के रूप में मनाना जारी रखता है। हम दर्शकों को और भी अधिक समृद्ध और रोमांचकारी देखने का अनुभव प्रदान करने की उम्मीद करते हैं। बता दें कि 'कौन बनेगा करोड़पति' भारत के प्रतिष्ठित शो में से एक है। इस शो ने बिग बी को उनकी प्रोडक्शन कंपनी 'अमिताभ बच्चन कॉर्पोरेशन लिमिटेड' के कर्ज में डूबने के बाद स्टारडम वापस पाने में सहायता की। कर्जदारों को भुगतान करने के लिए बिग बी ने 2000 में 'केबीसी' के साथ टेलीविजन का रुख किया था। भारतीय दर्शकों ने 'कौन बनेगा करोड़पति' में बिग बी को असीम प्यार दिया। बॉलीवुड के सबसे बड़े आइकनों में से एक अभिनेता शाहरुख खान ने अमिताभ बच्चन के होस्ट किए गए दो सफल सीजन के बाद शो के तीसरे सीजन की मेजबानी की थी, लेकिन शाहरुख अपने आकर्षण के बावजूद बिग बी के जादू को दोहरा नहीं सके। बिग बी चौथे सीजन के साथ शो में लौटे और 2010 से इसकी लगातार मेजबानी कर रहे हैं। 'कौन बनेगा करोड़पति' के 16वें सीजन का प्रीमियर सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविजन पर होगा।

हर रोज 10 मिनट आत्मरक्षा के लिए दें : कंगना रानौत

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेत्री कंगना रनौत ने कहा है कि हर रोज 10 मिनट आत्मरक्षा के लिए दें,दूसरों के हथियारों के आगे झुकना आपकी लड़ाई में अक्षमता का नतीजा नहीं होना चाहिए। कंगना ने अपने सोशल मीडिया हैंडल इंस्टाग्राम की स्टोरी पर एक नोट शेयर किया है, जिसमें उन्होंने लिखा कि शांति हवा या सूरज की रोशनी में नहीं है, जिसे आप अपना जन्मसिद्ध अधिकार समझते हैं और मुफ्त में आपके पास आ जाएगी। महाभारत हो या रामायण दुनिया के इतिहास में सबसे बड़ी लड़ाइयां शांति के लिए लड़ी गई हैं। अपनी तलवारें उठाएं और उन्हें धारदार रखें। हर दिन किसी न किसी तरह की लड़ाई का अभ्यास करें। यदि ज्यादा नहीं तो हर रोज 10 मिनट आत्मरक्षा के लिए दें। दूसरों के हथियारों के आगे झुकना आपकी लड़ाई में अक्षमता का नतीजा नहीं होना चाहिए। कंगना ने लिखा, भरोसे में समर्पण करना प्यार है, लेकिन डर में कायरता है। इजराइल की तरह अब हम भी चरमपंथियों के घेरे में हैं।

'अवतार 3' का बदला नाम

मुंबई/एजेन्सी

विश्व की सर्वाधिक कमाई का रिकॉर्ड अपने पास रखने वाली हॉलीवुड फिल्म अवतार का तीसरा भाग आगामी वर्ष के अन्त में सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगा। फिल्म निर्देशक जेम्स कैमरून ने मुख्य सितारों, ज़ो सलदाना और सैम वर्थिंगटन के साथ मिलकर 'अवतार' श्रृंखला की तीसरी किस्त का आधिकारिक शीर्षक अनावरण किया। गौरतलब है कि अवतार (2009) अब तक की सबसे अधिक कमाई करने वाली फिल्म का रिकॉर्ड रखती है। इसका सीक्वल, अवतार: वे ऑफ वॉटर, दिसंबर 2022 में रिलीज़ हुआ था। इस फिल्म ने भी बॉक्स ऑफिस पर रिकॉर्ड तोड कारोबार करने में सफलता प्राप्त की थी, लेकिन यह फिल्म अवतार के बॉक्स ऑफिस कलेक्शन को तोड़ने में कामयाब नहीं हो पाई थी। कैमरून ने अपने लंबे समय के क्रिएटिव पार्टनर जॉन लैंडौ के साथ अवतार की सभी फिल्मों का निर्माण किया है, जिनकी जुलाई में 63 साल की उम्र में कैंसर से मृत्यु हो गई थी।

शुक्रवार को, एक्सपो के दौरान, निर्देशक जेम्स कैमरून और सितारों ज़ो सलदाना और सैम वर्थिंगटन ने 'अवतार' फ्रैंचाइज़ के तीसरे संस्करण के लिए पहला आधिकारिक शीर्षक प्रकट किया। इसका शीर्षक है अवतार 3: फ़ायर एंड ऐश। हालाँकि कैमरून ने किसी भी फुटेज का पूर्वावलोकन नहीं किया, लेकिन उन्होंने आगामी किस्त से कुछ कॉन्सेप्ट आर्ट दिखाए, जिसमें नेयतिरी (ज़ो द्वारा अभिनीत) आग की लपटों पर नाचती और बंशी की सवारी करती हुई दिखाई गई।

कैमरून ने प्रेजेंटेशन के दौरान कहा, आप बहुत सारे पैंडोरा देखेंगे जो आपने पहले कभी नहीं देखे होंगे। यह एक पागलपन भरा रोमांच और आँखों के लिए एक दावत है, लेकिन इसमें पहले से कहीं ज़्यादा भावनात्मक दांव भी हैं। हम उन सभी पात्रों के लिए वास्तव में चुनौतीपूर्ण क्षेत्र में जा रहे हैं जिन्हें आप जानते हैं और प्यार करते हैं। कैमरून ने 2022 के अवतार: द वे ऑफ वॉटर के साथ फायर एंड ऐश को बैक-टू-बैक शूट किया, जो लालची रिसोर्सेज डेवलपमेंट एडमिनिस्ट्रेशन (ठऊ-) के पेंडोरा के एलियन चंद्रमा पर लौटने के बाद मानवता और नावी के बीच युद्ध को दर्शाता है। द वे ऑफ वॉटर के अंत तक, जेक सुली (वर्थिंगटन) और नेयतिरी (सलदाना) का परिवार जलीय मेटकेयना कबीले और व्हेल जैसे तुल्कुन के खिलाफ ठऊ- के हमले का सफलतापूर्वक मुकाबला करता है, जिसके साथ वे सद्भाव में रहते हैं। लेकिन उनका सबसे बड़ा बेटा लड़ाई में मारा जाता है, और ठऊ- पेंडोरा पर गहराई से जमी रहती है। फायर एंड ऐश उन घटनाओं के तुरंत बाद शुरू होगी, क्योंकि जेक और नेतिरी का सामना ऐश पीपल से होता है, जो नावी का एक कबीला है, जिसके बारे में कैमरून ने संकेत दिया है कि वे अन्य कबीलों की तुलना में हिंसा और शक्ति की ओर अधिक आकर्षित हैं। यह फिल्म 19 दिसंबर, 2025 को सिनेमाघरों में आएगी।

वेब सीरीज 'फॉलो कर लो यार' ओटीटी पर

मुंबई/वार्ता

सोशल मीडिया सनसनी उर्फी जावेद अपने अनोखे फैशन के लिए जानी जाती हैं। हालांकि, अब वह नए शो को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं, जो 23 अगस्त को ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगा। इस शो का नाम 'फॉलो कर लो यार' है। जो नौ एपिसोड का होगा। इसमें ऑडियो-विजुअल स्टोरीटेलिंग का एक अनस्क्रिप्टेड कॉन्सेप्ट रखा गया है। एक ऐसी हस्ती, जिसे कुछ लोग नफरत करते हैं और कुछ लोग प्यार करते हैं। लेकिन, इसके बावजूद कोई भी उसे अनदेखा नहीं कर पाता है, 'फॉलो कर लो यार' उर्फी जावेद के इर्द-गिर्द के उन्हीं रहस्य को सामने लाएगा। यह वेब सीरीज उर्फी के जीवन, उसके सफर और मुश्किलों को पार करने के बारे में है। इन्हीं सब बातों को मुख्य रूप से वेब सीरीज में दिखाया जाएगा। साथ ही उर्फी के खराब पारिवारिक जीवन के बारे में भी फोकस होगा।

प्राइम वीडियो इंडिया के ओरिजिनल के प्रमुख निखिल मधोक ने एक बयान में कहा, 'महत्वाकांक्षा की कहानियां हमेशा दर्शकों को पसंद आती हैं और लखनऊ की एक साधारण लड़की से देश के सबसे पहचाने जाने वाले चेहरे तक उर्फी की यात्रा किसी प्रेरणा से कम नहीं है।

उन्होंने कहा, उनकी कहानी फैशन और मनोरंजन की दुनिया में अपना अनूठा रास्ता बनाने के संकल्प और जुनून को दिखाती है। उन्होंने अपनी साधारण शुरुआत से सोशल मीडिया सनसनी तक का सफर तय किया है। निर्देशक संदीप कुकरेजा के साथ हमें 'फॉलो कर लो यार' पेश करने में खुशी हो रही है, जो एक आकर्षक और मनोरंजक रियलिटी-फॉलो सीरीज है, जो निश्चित रूप से दर्शकों को पसंद आएगी। वहीं, शो के निर्माताओं ने शनिवार को एक वीडियो भी जारी किया। इसमें उर्फी को सोशल मीडिया की वजह से अपनी ज़िंदगी में आने वाली चुनौतियों, दूसरों को परेशान करने वाले लोगों और अपने परिवार के बारे में बात करते हुए देखा जा सकता है। सोल प्रोडक्शंस, फाजिला अल्लाना और कामना मेनजिस द्वारा निर्मित और संदीप कुकरेजा द्वारा निर्देशित 'फॉलो कर लो यार' 23 अगस्त को अमेजन प्राइम वीडियो पर प्रीमियर के लिए तैयार है।

साजन जैसी रोमांटिक फिल्मों में काम करना चाहते हैं संजय दत्त!

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड के माचो हीरो संजय दत्त, साजन जैसी रोमांटिक फिल्मों में काम करना चाहते हैं। बॉलीवुड में संजय दत्त की छवि एक्शन हीरो की रही है। संजय दत्त ने वर्ष 1991 में प्रदर्शित सुपरहिट रोमांटिक फिल्म साजन में माधुरी दीक्षित और सलमान खान के साथ काम किया है। हाल के वर्षो में संजय दत्त ने 'अग्निपथ', 'केजीएफ2' और 'लियो' जैसी फिल्मों में खलनायक की भूमिका निभायी, जिसे दर्शकों ने पसंद किया।संजय दत्त अब रोमांटिक फिल्में करना चाहते हैं।

संजय दत्त ने कहा है कि 'साजन' जैसी रोमांटिक फिल्में करना चाहते हैं। संजय दत्त ने कहा, यदि मुझे कोई अच्छी फिल्म में काम करने का प्रस्ताव मिलता है तो तो रोमांस करना चाहूंगा। हमारी जेनरेशन मास के लिए काम करती थी, तो हम मास हीरोज हैं। मैंने एक बार 'साजन' की थी।

वह एक अच्छी फिल्म थी जिसमें अच्छे गाने थे। मैं एक और 'साजन' कर सकता हूं। मुझे नेगेटिव रोल पसंद आ रहे हैं क्योंकि इनमें ढ़ेर सारा एक्शन करने का मौका मिल रहा है।'नेगेटिव एक अच्छा स्पेस है, इसमें आदमी बहुत कुछ कर सकता है। मुझे खूब एक्शन करने को मिलता है।

RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

कर्म हमारे साथ चलते हैं। कर्म के कारण हमारे जीवन में कई परिस्थितियां बनती है। उसी समय हमारे मन में जिज्ञासा उत्पन्न होती है कि कर्म ही हमारे साथ चलते हैं या और कुछ भी है, जो साथ चलते हैं। भगवान कहते हैं ज्ञान इस भव में उपयुक्त है, परभव में भी साथ देगा। ज्ञान दोनों जगह साथ होगा। आज हमारे समाज में शिक्षा का महत्व बढ़ रहा है। जो व्यवहार की शिक्षा आप लेते हो, वह जीवन पर्यन्त सुखी रखती है। सम्यक् ज्ञान को अपने साथ लिया, तो वह जीवन में साथ देगा। आपको ज्ञान है तो घबराने, डरने की जरूरत नहीं है। ज्ञान और दर्शन इस भव और परभव दोनों जगह साथ में रहते हैं।

अभिनंदन — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

चेन्नई में आबूगोड जैन संघ के तत्वावधान में दांतराई निवासी रेखाबेन प्रवीणकुमार कर्नावट की पुत्री मुमुक्षु सुश्री रुचिकाकुमारी का रविवार को विविध रंगारंग कार्यक्रम एवं दीक्षार्थी अमर रहे के जयकारों के साथ सिवांची जैन भवन मे संघ द्वारा तिलक, माला, श्रीफल, चुनरी एवं कवर द्वारा भव्य अभिनन्दन समारोह आयोजित किया गया। मुमुक्षु के माता पिता का भी भावभीना अभिनन्दन किया गया। इस अवसर पर आबुगोड़ जैन संघ के समस्त प्रवासी श्रावक श्राविकाओं की उपस्थिति सराहनीय रही। संघ के अनेक वक्ताओं ने सभा को सम्बोधित किआ। मंच संचालन भरत जगानी द्वारा किया गया। दीक्षार्थी 20 नवम्बर को जीरावला महातीर्थ में आचार्यश्री सोमसुन्दर सूरीश्वरजी की निश्रा में होगा।

मित्रता जीवन को सजाने और समृद्ध बनाने का एक महत्वपूर्ण तत्व है : युवाचार्य महेंद्र ऋषि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। एएमकेएम जैन मेमोरियल सेंटर में चातुर्मासार्थ विराजित श्रमण संघीय युवाचार्य भगवंत महेंद्र ऋषिजी ने रविवार को प्रवचन में कहा कि मैत्री हमारे जीवन का महत्वपूर्ण तत्व है। मैत्री यानी सद्भावना, मंगल भावना। यह एक विशेष रिश्ता है जो दो लोगों के बीच विश्वास, सम्मान और समर्थन के साथ बनता है। जिसे मित्र मिल गया उसके जीवन की सारी समस्याओं का अंत हो गया मानो। सच्चा मित्र हमारे अंदर आत्मविश्वास पैदा करता है। मित्र हमारे जीवन के सच्चे साथी है जो हमारी सफलता में सहायक बनते हैं और कठिनाइयों में साथ देते हैं। मित्र हमारे व्यवहार से बनते हैं। अगर आपके पास ऐसा मित्र हैं जिस पर भरोसा कर सकते हैं और जिस पर भरोसा कर सकते हैं वह मित्र है, तो कोई समस्या ही नहीं आ सकती है। मित्रता बहुत ऊंची चीज है। परमात्मा महावीर मैत्री के लिए जाने जाते हैं। श्री कृष्ण मित्रता के लिए जाने जाते हैं। ईसा मसीह प्रेम के लिए जाने जाते हैं। मेरी सारे संसार के साथ मैत्री है, ऐसी भावना हो।

युवाचार्यश्री ने कहा दूसरों के हित की चिंता मैत्री भावना है। जिसकी खुशी में भी हम खुशी व्यक्त करते है, यह मित्रता है। छोटा-सा शब्द, छोटा-सा एक्सन सामने वाले की खुशी को हजार गुना कर देता है, वह मैत्री है। जब भी अवसर हो, उस प्रसंग पर मित्र के साथ रहें। उसके सामने रहने से सब कुछ अच्छा हो जाता है। मित्र ऐसा होना चाहिए जो सामने हो तो दिल भर आए। मित्र से आपस में प्रेम रखना है तो मित्रता में प्रेम से खाओ और खिलाओ। मन की बात पूछो और कहो। उचित वस्तु का लेन-देन करो।

उन्होंने कहा सुदामा ने श्रीकृष्ण को क्या दिया, वह तो उनके सामने जाने से घबराता था, चावल की पोटली छुपा रहा था, मगर श्रीकृष्ण ने उसके चरण धोए, उसे राज्य का खंड दे दिया। वैसी मित्रता की मिसाल होनी चाहिए। श्री कृष्ण ने पढ़ाया था मित्रता का पाठ लेकिन वर्तमान में बदल गई यही परिभाषा। सभी से मित्रवत् व्यवहार करेंगे तो कई लोगों से मित्रता होगी। आपके सबसे पहले मित्र माता-पिता है। मित्र से निश्चित रूप से आनंद रस भर सकता है। कल्याण मित्र हम भी बनें और दूसरों को भी बनाएं। मित्रता जीवन को सजाने और समृद्ध बनाने का एक महत्वपूर्ण तत्व है। इसे समझें और संरक्षित रखें। इस दौरान हितेंद्र - प्रीति व प्रियंका सुराणा ने नौ उपवास की तपस्या के प्रत्याख्यान ग्रहण किया। रविवार को नवकार मंत्र जाप के लाभार्थी कुशालपुरा श्रीसंघ था। पुरे दिन कुशालपुरा श्री संघ के सदस्यों ने गुरुदेव के सेवा में समय बिताया। 1971 के आचार्य भगवंत के कुशालपुरा चार्तुमास की यादों को जीवंत किया। महासंघ ने कुशालपुरा संघ के पदाधिकारियों का स्वागत किया। कमल छल्लाणी ने सभा का संचालन किया।

जैन ज्योतिष कार्यशाला का हुआ आयोजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। आचार्यश्री महाश्रमणजी की शिष्या साध्वीश्री डॉ गवेषणाश्री के सान्निध्य में जैन तेरापंथ नगर के तीर्थंकर समवसरण में जैन ज्योतिष एवं वास्तुशास्त्र की कार्यशाला का आयोजन हुआ। साध्वी श्री डॉ गवेषणा श्रीजी ने कहा कि जैन ग्रंथ एवं अन्य ग्रंथों में भी सूर्य, चंद्र ,पृथ्वी और नक्षत्र की स्थिति दूरी और गति का वर्णन किया गया है। चंदप्रज्ञाप्ति और सूर्यप्रज्ञाप्ति आगम में भी सूर्य, चंद्र, ग्रह, नक्षत्र आदि का विवरण विस्तार से किया गया है। स्थिति, दूरी और गति के मान से ही पृथ्वी पर होनेवाले दिनःरात और अन्य सांधिकाल को विभाजित कर एकपूर्ण सटीक पंचांग बनाया गया है।

साध्वीश्री मयंकप्रभाजी ने मंच का संयोजन करते हुए कहा कि आकाश के तारामंडल के विभिन्न रूपों में दिखाई देनेवाले आकार को नक्षत्र कहते है। वैदिक ज्योतिषी में 27 नक्षत्रों का उल्लेख आता है किन्तु जैनधर्म में एक आभिजित नक्षत्र को भी स्थान दिया गया है। प्रमुख वक्ता हस्तरेखा विशेषज्ञ, कुण्डली विशेषज्ञ संतोष दुगड़ ने कहा कि पूरा ब्रहमाण्ड जैसे पांच तत्वों से निर्मित है वैसे ही हमारे भीतर का ब्रहमाण्ड भी पांच तत्वों से निर्मित है। प्रत्येक रत्नों का प्रभाव हमारे ग्रह पर असर डालता है। साध्वी श्री मेरुप्रभाजी ने भावपूर्ण गीतिका प्रस्तुत की साध्वीश्री दक्षप्रभाजी की मधुर गीतिका जन समूह को सराबोर कर दिया। माधावरम ट्रस्ट अध्यक्ष घीसुलाल बोहरा, रमेश पर्मार, अनिल सेठिया, सुरेश रांका, तेयुप अध्यक्ष संदीप मुथा, निर्मल सेठिया, सीपी छल्लाणी ने मुख्य वक्ता का मोमेंटों से सम्मान किया। मुख्य वक्ता का परिचय प्रवीण सुराणा एवं आभार ज्ञापन ट्रस्ट के मंत्री पुखराज चोरडिया ने दिया। कार्यक्रम के पश्चात साध्वीश्री द्वारा तपस्वियों को प्रत्याख्यान करवाएं गये।

'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत हुआ पौधरोपण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। एक पेड मां के नाम अभियान के तहत सीरवी समाज पूनमल्ली आईमाता वडेर परिसर में पौधरोपण कर आम जन को अभियान से जुडने का संदेश दिया। इस दौरान रूपाराम राठौड़ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा देशभर में एक पेड़ मां के नाम अभियान शुरू किया गया है। यह महत्वपूर्ण पर्यावरण प्रयास है, जिसमें लोगों को अपनी मां के सम्मान में पेड़ लगाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। यह अभियान पर्यावरण संरक्षण और पारिवारिक मूल्यों को एक साथ जोड़ता है। उन्होंने कहा कि हमें अधिक से अधिक पेड़ लगाकर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में अपनी जिम्मेदारी निभानी चाहिए। इस कार्यक्रम में श्री आईजी श्रत्रिय सिरवी विकास सेवा सिमित के सचिव रूपाराम राठौड़ एवं समाज के गणमान्य सदस्य भुण्डाराम बरफा, मलाराम परिहार, मुनाराम काग, चम्पालाल सेपटा ने पौधारोपण किया।

रजत ओलिंपियाड में महिला बोलिंग में ब्यावर यूथ एसोसिएशन बना चैम्पियन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। राजस्थानी एसोसिएशन तमिलनाडु द्वारा राजस्थानी ओलम्पियाड के अंतर्गत महिलाओं के लिए उषा अभय श्रीश्रीमाल बॉलिंग टूर्नामेंट का आयोजन रविवार को एग्मोर स्थित डाउन अंडर में किया गया।

मुख्य अतिथि एम ओ पी वैष्णव कॉलेज फॉर वीमेन की प्रिंसिपल डॉ. अर्चना प्रसाद द्वारा बोलींग खेल की शुरूआत की गई। गणगौर की चेयरपर्सन रेखा सिंघी, पूर्व चेयरपर्सन कांता बिसानी व रजत पुर्वाध्यक्ष मोहनलाल बजाज ने मुख्य अतिथि का साल व स्मृति चिन्ह से सम्मानीत किया। अध्यक्ष प्रवीण टाटिया ने पधारे सभी का स्वागत किया। ओलम्पियाड चेयरमैन डा.अशोक मुंदड़ा ने बताया कि आज यहां पर राजस्थानी महिलाओं के लिए बोलींग का आयोजन विशेष रूप से किया गया है।

समन्वयक किन्निश राठी व ममता अग्रवाल ने व्यवस्था संभाली। कन्वेनर अजय नाहर एवम डा निर्मल नाहटा ने संचालन व लाइव कामेन्ट्री की।

को चेयरमैन अनुराग माहेश्वरी व मदन मोहन राठी ने बताया कि 15 वर्ष से ऊपर वाली महिलाओं की 36 राजस्थानी टीमो की कुल 144 महिलाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। ब्यावर यूथ एसोसिएशन प्रथम विजेता चैंपियन रहा, द्वितीय आरसीसी दिवा रही। सह चेयरमैन अनुराग महेश्वरी ने धन्यवाद प्रस्ताव ज्ञापित किया।

नेमीनाथ का जन्म व दीक्षा कल्याणक महोत्सव मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मदुरै। यहां श्री साँचा सुमतिनाथ राजेंद्रसूरी जैन श्वेताम्बर ट्रस्ट के तत्त्वावधान में साध्वी तत्वत्रयाश्री के सान्निध्य में मन्जनकारा स्थित यतींद्र भवन मे रविवार को जैन धर्म के 22वें तीर्थंकर राजकुमार नेमिनाथ का जन्म व दीक्षा कल्याणक महोत्सव भक्ति-भावनापूर्वक मनाया गया। श्रीसंघ के प्रवक्ता दिनेश सालेचा ने बताया कि भवन में सुबह 9 बजे से श्रद्धालुओं ने परिवार सहित आकर नेमिनाथ प्रभु की प्रतिमा पर जड़ीबूटियों के घोल द्वारा अभिषेक कर नेमिनाथ के चरणों मे पुष्पांजलि अर्पित की। नेमिनाथ प्रभु पर आधारित मनमोहक नाटिका के द्वारा जन्म दिवस व दीक्षा दिवस को संगीत की मधुर ध्वनि पर श्री संघ की बालिकाओ ने नृत्य व नाटिका कर दर्शाया श्रद्धालुओं ने प्रभु के जन्म दिवस पर एक दूसरे को बधाई दी प्रभु को मनमोहक झूले में झुलाया। भवन में स्कीन पर शाश्वत गिरनार की गौरव गाथा को भाव यात्रा करवाई जिसमें गिरनार तीर्थ के मनमोहक दृश्य के द्वारा श्रद्धालुओं को नेमिनाथ प्रभु के दर्शन करवाए। साध्वी तत्वत्रयाश्री ने जन्म व दीक्षा कल्याणक पर प्रकाश डाला कार्यक्रम का मंच संचालन ट्रस्टी मीठालाल संखलेचा ने किया।

दादा गुरुदेव के जीवन पर नाटक का मंचन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। यहां श्री कोयमबतुर जैन श्वेतांबर खरतरगच्छ संघ द्वारा संचालित मुनिसुव्रत मंदिर एवं दादावाड़ी में रविवार को 'अमावश्य को चांद उगायो' नाटकीय प्रस्तुति का आयोजन हुआ। जिसमें बच्चों, महिला और पुरुषों द्वारा संगीतमय प्रस्तुति दी और दादा गुरुदेव के जीवन के बारे में नाटिका का मंचन किया। साध्वीश्री प्रियसोमयांजनाश्रीजी के सान्निध्य में आयोजित दादा गुरुदेव के जीवनी की झलक नाटकीय रूपांतरण दिखाया गया। साध्वीश्री ने अकबर काल के बारे में भी प्रकाश डाला। सबका स्वागत संघ अध्यक्ष सुरेंद्र गोलेछा ने किया। नाटक का संचालन बहुत सुंदर तरीके से हीना गोलेछा ने किया। धन्यवाद संघ सचिव श्याम सुंदर लूनिया ने किया

सुन्दरकांड पाठ — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

तिरुपुर में 11 अगस्त को मां दुर्गा भक्त मंडल द्वारा 1372वां सुन्दरकांड पाठ का आयोजन रायपुरम के बालाजी एन्क्लेव स्थित उमेश बजाज के निवास में हुआ। गणेश वंदना एवं मंत्रोच्चारण के साथ सुन्दरकांड का पाठ हुआ। पाठ में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे। मंडल के उपाध्यक्ष राजकुमार शर्मा अ ौर उमेश बजाज ने सभी उपस्थितों का आभार व्यक्त किया। मंडल नि:स्वार्थ भाव से हर रविवार तिरुपुर जिले में श्रद्धालुओं के घर-घर जाकर सभी को धर्म के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देते हैं।

संतों के सान्निध्य में हुआ भारतीय संस्कृति संरक्षण समिति का विशेष शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। रविवार को चेन्नई महानगर कॉन्डीटोप स्थित श्रृंगेरी मठ में भारतीय संस्कृति संरक्षण समिति चेन्नई द्वारा हर रविवार चलाए जा रहे बाल संस्कार शिविर में राज. के जोधपुर से संत राजारामजी व संत कृपारामजी पहुंचे। पहले बच्चों ने सरस्वती वंदना देश भक्ति गीत, मंत्रों से कार्यक्रम की शुरुआत की। संत कृपारामजी के द्वारा राष्ट्रीय ध्वजारोहण किया गया। संतों का समिति द्वारा आदर सत्कार किया गया। समिति का परिचय पिछले 14 वर्षों का सफर के सेवा कार्य के बारे में बताया गया।

संत कृपारामजी ने बच्चों के तिरंगे की महिमा बताई गई। तीन कलर केसरिया शौर्य वीरता का प्रतीक, सफेद शांति का और हरा रंग हरियाली के बारे में जानकारी देता है। बच्चों को हमेशा देश सेवा में तत्पर रहने व दुश्मन देशों को हमेशा कड़ा जवाब दे। बचपन से भक्ति मातृभूमि की साधना नित्य हो ऐसा संदेश दिया। उन्होंने समिति का धन्यवाद किया जो पिछले 14 वर्षों इस कार्य में लगी है राजारामजी ने भी बच्चों का आशीर्वाद दिया। स्वतंत्रता दिवस का आयोजन भी आज ही किया जिसमें बच्चों ने कई देश भक्तों की जीवनी के बारे में बताया और देश भक्ति के गीतों पर नृत्य किया। बच्चों के देश भक्ति नारे से पूरा मठ गूंज उठा। हंसाराम घांची के द्वारा मिठाई के रूप में लड्डु और जेताराम देवासी ने पुरस्कार भानूप्रकाश भट्ट ने रोज मिल्क की व्यवस्था की।

जिनवाणी का लाभ मिलना सौभाग्य की बात : साध्वी राजमती

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। जिनवाणी को ग्रहण करने वाले भगवान के कृपापात्र होते हैं, और उनमें जैसे प्रभु राम के प्रति हनुमानजी की श्रद्धा होती थी, वैसे ही उनकी गहरी श्रद्धा और विश्वास प्रभु के प्रति होती हैं। यहां उपनगर साहूकारपेट स्थित जैन भवन में विशाल जनसमुदाय को संबोधित करते हुए विदुषी साध्वी राजमतीजी ने कहा कि प्रभु के प्रति विश्वास वैसे ही होना चाहिए जैसा कि हनुमान जी का प्रभु राम के प्रति था। साध्वी राजमती जी महाराज सा ने वर्तमान युग में युवाओं और महिलाओं की वेशभूषा पर चिंता जताते हुए कहा कि आज अधिकांश महिलायें सुहाग का चिन्ह धारण नही करती है, और पुरूष पगड़ी नही पहनते हैं, इसलिए उनकी सामाजिक प्रतिष्ठा कम हो रही हैं। साध्वीजी ने वर्तमान सामाजिक स्थितियों पर दुख जताते हुए कहा कि पहले घरों में सुस्वागत लिखा होता था लेकिन अब कुत्तो से सावधान लिखा हुआ पाया जाता है। यह स्थिति समाज के लिए उचित नहीं है।

इससे पूर्व साध्वी विनयश्रीजी ने कहा कि मनुष्य में कहीं तरह के वैराग्य उत्पन होते हैं, लेकिन उनमे से अधिकतर वैराग्य अस्थायी होते हैं। लेकिन जो व्यक्ति दुनिया से विरक्त हो जाता है, वही सच्चा और पक्का वैराग्य धारण कर सकता हैं। उन्होंने कहा कि मित्रता हमेशा ज्ञानवान और संस्कारवान व्यक्ति से रखनी चाहिए। उन्होंने कृष्ण और सुदामा की मित्रता का उदाहरण देते हुए कहा कि सच्ची मित्रता हमेशा निस्वार्थ होती हैं।

रविवार को मुमुक्षु दीपिका दीक्षा समिति की बैठक समिति के अध्यक्ष अनोप चन्द भिडकचा और संघ के अध्यक्ष प्रकाश चन्द खिवसरा की अध्यक्षता में हुई, और उन्होंने अक्टूबर में संभावित दीक्षा की तैयारियों का जायजा लिया। संचालन महामंत्री संजय पिन्चा ने किया।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.